हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

9 एचपीएस स्कूल के वार्षिकोत्सव में दिखा सनातन...

9 हरियाणा सरकार बढ़ा रही किसानों की आय...

खबर संक्षेप

निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैम्प आज

नारनौल। बाबा निहाल चंद सेवादल पटीकरा व न्यूरो स्पाइन फिजियोथेरेपी अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन दो मार्च को किया जाएगा। इस संबंध में संदीप यादव पटीकरा ने बताया कि ठाकुर जी मंदिर बड़ा मंदिर गांव पटीकरा में एक निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें न्यूरोफिजियो थेरेपी विशेषज्ञ डा. अशोक मीणा व उनकी टीम सेवाएं प्रदान करेगी। शिविर में मुख्य अतिथि माजरी धाम के महंत सुमित गिरि महाराज होंगे। अध्यक्षता संदीप यादव करेंगे। विशिष्ट अतिथि प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा उपस्थित रहेंगे।

प्रशासन ने चुनाव के लिए किए पुख्ता प्रबंध

कनीना व अटेली में आज मतदाता चुनेंगे शहरी सरकार, सुबह 8 बजे शाम 6 बजे तक होगा मतदान, मतदान केंद्रों पर पहुंची पोलिंग पार्टिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना/अटेली मंडी

नगर पालिका अटेली तथा कनीना के दो मार्च को होने वाले चुनाव के लिए अंतिम रिहर्सल के बाद पोलिंग पार्टियों अपने अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुई।

कनीना में एसडीएम एवं आरओ डा. जितेंद्र सिंह ने पोलिंग पार्टियों को फाइनल रिहर्सल करवाई, जबकि अटेली में नारनौल के एसडीएम एवं आरओ रमित यादव ने पोलिंग पार्टियों को प्रशिक्षण दिया। पोलिंग पार्टियों को दोनों जगह पर ईवीएम मशीन व चुनावी सामग्री प्रदान कर मतदान बूथों पर भेजा गया। रविवार दो मार्च को चुनाव होंगे। चुनाव का समय सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक रहेगा। कनीना में 14 वार्डों के पार्षदों व प्रधान पद के लिए मतदान होगा। जिसमें 10413 वोटर है। वहीं अटेली नगर पालिका में 6331 वोटर हैं। अटेली में 12 वार्ड तथा इतने ही बूथ बनाए गए हैं।

पोलिंग पार्टियों के लिए स्वास्थ्य के लिए फर्स्ट एंड किट का प्रबंध है। हर बूथ पर बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई। कनीना में बूथ नौ व 13 को संवेदनशील बूथ बनाया गया। कनीना नपा चुनाव से संबंधित जानकारी व शिकायत के लिए कंट्रोल फोन नंबर 01285-298086 पर संपर्क किया जा सकता है। इसी प्रकार अटेली नगर पालिका चुनाव के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी व शिकायत के लिए कंट्रोल रूम नंबर 01282-298612 पर संपर्क किया जा सकता है। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने नगर पालिका चुनाव के लिए जिला महेंद्रगढ़ में सामान्य आब्जर्वर के तौर पर योगेश कुमार तथा पुलिस ऑब्जर्वर के तौर पर ध्यानचंद को जिम्मेदारी सौंपी है। नगर पालिका से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत के लिए उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। सामान्य ऑब्जर्वर योगेश कुमार के मोबाइल नंबर 7056622222 तथा पुलिस ऑब्जर्वर ध्यानचंद के मोबाइल नंबर 9416120891 पर संपर्क किया जा सकता है।

35 कनीना। मतदान केंद्र के लिए रवना होती पोलिंग पार्टी। फोटो : हरिभूमि

शांतिपूर्ण तरीके से करें मतदानः डीसी-एसपी

डीसी-एसपी का नागरिकों से आह्वान, उपायुक्त डा. विवेक भारती ने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लें। जिला प्रशासन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने बताया कि नगर पालिका चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस का रिस्पांस टाइम जल्द से जल्द रहेगा। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे चुनावी उत्सव में खुशी के साथ भाग लें। पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

अटेली नपा के ढाई साल बाद आज होंगे चुनाव

मंडी अटेली। अटेली नगर पालिका के दो मार्च को चुनाव होंगे। चुनाव घोषणा के बाद अटेली कस्बे में चुनावी गहमागहमी तेज थी। अबकी बार परिणाम के लिए 10 दिन का इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि 12 मार्च को परिणाम जारी होगा। अटेली नगर पालिका में आठ स्थानों पर 12 मतदान केंद्र बनाए हुए हैं। वार्ड नंबर एक के लिए चंपा देवी स्कूल राइट विंग, वार्ड नंबर दो के लिए चंपा देवी स्कूल लेफ्ट विंग, वार्ड नंबर तीन के लिए राजकीय महिला महाविद्यालय लेफ्ट विंग, वार्ड नंबर चार के लिए चंपा देवी स्कूल मिडल विंग, वार्ड नंबर पांच के लिए स्कूल अटेली मंडी, वार्ड नंबर छह के लिए प्राइमरी स्कूल अटेली मंडी, वार्ड नंबर सात के लिए पुराना मार्केट कमेटी ऑफिस, वार्ड नंबर आठ के लिए स्कूल अटेली मंडी राइट विंग, वार्ड नंबर नौ के लिए पंचायत समिति मीटिंग हॉल अटेली, वार्ड नंबर 10 के लिए मार्केट कमेटी ऑफिस अटेली मंडी, वार्ड नंबर 11 के लिए राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली राइट विंग, वार्ड नंबर 12 के लिए प्राइमरी स्कूल घनुंदा बीओ ऑफिस रहेंगे।

कृषि विभाग का 25 से 50 प्रतिशत तक नुकसान का अनुमान, जल्द होगा सर्वे

तूफानी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पिछले दो दिनों से चल रहे खराब मौसम के चलते बीती रात्रि को क्षेत्र में तूफानी बरसात के साथ ओलावृष्टि हुई। ओलावृष्टि कहीं तेज तो कहीं मध्यम हुई, जिसके चलते किसानों की रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। नारनौल, महेंद्रगढ़, कनीना व अटेली क्षेत्र में सर्वाधिक नुकसान फसलों को हुआ है। इस इलाके में सरसों की फसल को सर्वाधिक नुकसान होने का अनुमान है। इसके साथ ही गेहूं की फसल जहां-जहां पसर गई, उसमें भी नुकसान की संभावना है। फिलहाल कृषि विभाग सर्वे करवा रहा है तथा अब तक के सर्वे अनुसार कृषि विभाग ने 25 से 50 प्रतिशत तक फसली नुकसान होने का अनुमान लगाया है। कृषि विभाग के उप निदेशक डा. देवेंद्र सिंह ने बताया कि ओलावृष्टि से कनीना, महेंद्रगढ़ एवं अटेली क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। नारनौल का कुछ हिस्सा चपेट में आया है, जबकि नांगल चौधरी सुरक्षित रह गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया रिपोर्ट के मुताबिक जिले में 25 से 50 प्रतिशत तक रबी फसलों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसलों का बीमा करवा रखा है, उन्हें ओलावृष्टि के 72 घंटे के अंदर कृषि विभाग में लिखित दरखास्त देनी होगी। इसी प्रकार फिलहाल क्षतिपूर्ति पोर्टल नहीं खुला है, लेकिन सरकार व प्रशासन जब भी इस पोर्टल को खोलेंगे तो बिना बीमा वाले किसान भी मुआवजे के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन केवल उन्हीं किसानों के स्वीकृत होंगे, जिन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपनी फसल का पंजीकरण करवा रखा होगा। बिना पंजीकरण वाले किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिलेगा।

21 नारनौल। तेज हवा से बिछ गई गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

21 नारनौल। ओले दिखाता किसान।

नारनौल। डीसी कोठी पर ज्ञापन देने पहुंचे मंडलाना के किसान। फोटो : हरिभूम

मंडलाना के ग्रामीण पहुंचे डीसी कोठी

नारनौल शहर के नजदीकी गांव बास किरारोद व नूनी शेखपुरा में जमकर ओलावृष्टि हुई। बिजली निगम में रिटायर लालचंद सैनी ने बताया कि गांव नूनी शेखपुरा में उनके खेत सहित आस पास के अधिकांश खेतों में खड़ी फसलों को ओलावृष्टि से भारी नुकसान हुआ है। वहीं उपमंडल के गांव मंडलाना में भारी तूफान और ओलावृष्टि आने से खेतों में पक्की पकाई लहलहा रही सरसों व गेहूं की फसल को तबाह कर दिया। किसान नेता बलबीर सिंह, कैलाश चंद, धर्मवीर हरलाल, भूपसिंह, प्रभातीलाल, अनिल कुमार, ओमप्रकाश, राजेंद्र यादव पूर्व थानेदार, ओमप्रकाश, हरिराम, रामहेर, शेर सिंह महिपाल, दिलीप सिंह, हरिसिंह, अमित कुमार, बहादुर

अटेली के किसानों ने मुआवजे को सौंपा ज्ञापन

मंडी अटेली। शुक्रवार को तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि से अटेली क्षेत्र के विभिन्न गांवों में रबी की फसल सरसो, गेहूं, जो, चना समेत सब्जियों को नुकसान होने के समाचार मिले है। किसानों ने बताया कि अब की बार फसल भी अच्छी पक कर तैयार हो रही थी। अटेली क्षेत्र के गांवों में शुक्रवार रात्रि सात बजे के बाद खैराणा, खैराणी, बेवल, दौंगड़ा क्षेत्र, सागरपुर, तिगरा, अटेली शहर, खोड़ आदि गांवों में ओले गिरने के समाचार मिले हैं। बारिश के साथ तेज हवा चलने के कारण खड़ी गेहूं की फसल बिछ गई। वहीं कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने भरोसा दिलाया कि सरकार फसलों को हुए किसान की भरपाई करेगी। शनिवार को खैराणा गांव के किसान गांव के सरपंच

नारनौल। क्षेत्र में हुई भारी ओलावृष्टि। फोटो : हरिभूमि

खराब के फसल के कृषि विभाग ने सर्वेक्षण किया

मंडी अटेली। खण्ड अटेली में विभिन्न गांवों में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों में कृषि विभाग के अधिकारीयों व कर्मचारियों द्वारा सर्वेक्षण किया, कृषि अधिकारी डॉ. मनमीत यादव, कृषि विकास अधिकारी डॉ. वीर कुमार ने खण्ड के विभिन्न गांवों में जाकर नुकसान का आंकलन किया एवं प्रभावित किसानों को बताया कि जिन किसानों ने अपनी फसलों का बीमा करवाया हुआ है, वो किसान 14447 पर फोन कर अपनी शिकायत दर्ज करवाए तथा क्रोप इसुरैनस ऐप पर आन लाइन शिकायत नुकसान होने के 72 घंटे के अन्दर अन्दर दर्ज करवाए। खण्ड कृषि अधिकारी डॉ. रजनीश कुमार ने बताया कि नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है, किसानों के नुकसान की भरपाई करवाई जाएगी।

ओलावृष्टि विशेष

किसानों को दिलवाया जाएगा उचित मुआवजा: अर्चना

महेंद्रगढ़। जिले के कुछ हिस्सों में हाल ही में हुई बारिश व ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है। इसमें सरसों व गेंहू की फसलें शामिल हैं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री ठाकुर ने ओलावृष्टि पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सरकार द्वारा स्पेशल गिरदावरी कराकर उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से बात करके नष्ट हुई फसल का उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। किसानों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। भाजपा सरकार हमेशा किसानों की हितैषी रही है। किसानों को इस नुकसान का पूरा मुआवजा दिलवाया जाएगा।

नुकसान की भरपाई करें सरकार: राव नरेंद्र सिंह

नारनौल। पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि इलाके में ओलावृष्टि व तेज हवा चलते किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि तेज हवा व ओलावृष्टि के कारण सरसों व गेहूं की फसल में नुकसान देखने को मिला है। अधिकतर स्थानों पर सरसों की फसल लगभग पक चुकी थी, लेकिन ओलावृष्टि के चलते सरसों की फसल ज्यादातर प्रभावित हुई है। वहीं ओलावृष्टि के साथ तेज हवा के कारण गेहूं की फसल भी बिछ गई है। राव ने कहा कि सरसों व गेहूं इस इलाके की मुख्य फसल हैं, जिन पर परिवार में बच्चों की शादी से लेकर पढ़ाई तक निर्भर करती है। राव नरेंद्र सिंह ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द खराब फसलों की स्पेशल गिरदावरी कराई जाए व उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि किसानों के इस नुकसान की भरपाई हो सकें।

नष्ट फसल का मुआवजा दें सरकार: राव दान सिंह

महेंद्रगढ़। पूर्व विधायक राव दानसिंह ने कहा कि बीती रात जिले में कई जगहों पर ओलावृष्टि हुई, जिससे किसानों की सरसों व गेहूं की फसल में भारी नुकसान है। सरकार विशेष गिरदावरी कराकर किसानों को पचास हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे। प्रेस के नाम जारी बयान में राव दानसिंह ने कहा कि सरसों इस क्षेत्र के किसानों की नकदी फसल मानी जाती है। किसान सरसों की फसल बेचकर ही अपने परिवार का लालन-पालन करते हैं। इस बार गेहूं व सरसों की फसल खेतों में लहरा रही थी। किसानों को उम्मीद थी कि इस बार पैदावार अच्छी होगी। परंतु बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि का साफ असर देखा जा रहा है। वहीं कुछ एक जगह पर अभी असर दिखाई नहीं दे रहा। सरसों व गेहूं की जिस टहनी पर ओला लगता है, वह भी नष्ट हो जाती है। सरसों की फलियों पर भी ओला लगने के निशान दिखाई दे रहे हैं। इसलिए सरकार विशेष गिरदावरी कराकर 50 हजार रुपये प्रति एकड़ किसानों को मुआवजा दे।

मंडी अटेली। ओलावृष्टि से नष्ट हुई फसलों का जायजा लेते हुए नेताजी अतर लाल।

सर्वे करवाकर मुआवजा दे सरकार: अतर लाल

मंडी अटेली। जिला के कई गांवों में हुई ओलावृष्टि के कारण फसलों में भारी नुकसान पहुंचा है। गांव मोहलड़ा, खैरानी, खैराना, बेवल, दौंगड़ा अहीर, दौंगड़ा जाट, रातां कलां, रातां खुर्द, भोजावास, पड़तल, सुंदरह, अटेली, बेगपुर, गुजरवास, सुजापुर व चंदपुरा आदि गांवों में ओलावृष्टि के कारण गेहूं, सरसों तथा सब्जी की फसलें बर्बाद हो गई हैं। अतरलाल ने प्रभावित गांवों का दौरा कर फसल नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि गत रात्रि हुई ओलावृष्टि के कारण किसानों की गेहूं, सरसों तथा सब्जी की फसलों में पचास प्रतिशत से भी ज्यादा नुकसान हुआ है।उन्होंने तत्काल फसल नुकसान का सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा देने की मांग की है।

किसानों को मुआवजा देने की मांग

नारनौल। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव डा. व्रतपाल सिंह ने कहा कि तेज हवाएं व ओलावृष्टि ने गेहूं व सरसों की फसल के अलावा सब्जी की बाड़ी को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फसलों व सब्जी की बाड़ी के भारी नुकसान पर सरकार से तुरंत स्पेशल गिरदावरी करवा किसानों को अपने खजाने से प्रति एकड़ 50000 का मुआवजा देने की मांग की है। किसान नेता अभय सिंह चंदपुरा ने अटेली के कई गांवों में जाकर खेतों में फसलों को देखकर बताया कि ओलावृष्टि ने इस इलाके की नगदी फसल सरसों व सब्जी की फसलें बिल्कुल नष्ट कर दिया। तेज हवा से गेहूं की फसल खेतों में बिछ गई। जिला सचिव डा. व्रतपाल सिंह वकिसान नेता अभय सिंह ने सरकार से मांग की है।

शहर में फिर गले से चेन तोड़ने का गिरोह सक्रिय

नारनौल। बंसीसिंह पार्क के पास श्याम टावर में महिला मंजू जिंदल रहती है। शुक्रवार को वह छोटे भाई संजय मित्तल के बेटे की शादी में लेडिज संगीत प्रोग्राम के लिए आई हुई थी। फिर लेडिज संगीत के लिए तैयार होने के लिए दोपहर दो बजे अपनी गाड़ी लेकर मकान श्याम टावर के सामने गली में पहुंची। जब वह गाड़ी से नीचे उतरी तो बिना नंबर की एक बाइक स्पलैण्डर प्लस पर दो व्यक्ति जो पहले ही गली में खड़े हुए थे, ने एकदम से बाइक घुमाई और उसके पास आकर गले की सोने की सात तोला चैन तोड़कर ले गए। इस संबंध में सिटी पुलिस ने बीएनएस की धारा 304 के तहत केस दर्ज किया है। इस वारदात के बाद आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। कैमरे में दो युवक बाइक पर जाते दिखाई दे रहे है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल भी हुई।

कनीना खंड में ओलावृष्टि से सरसों व गेहूं की फसल में नुकसान

कनीना। क्षेत्र में ओलावृष्टि। *फोटो : हरिभूमि*

कनीना। क्षेत्र में हुई बारिश व ओलावृष्टि से सरसों व गेहूं की फसल को नुकसान हुआ है। जिसे लेकर किसानों ने मुआवजे की मांग की है। बारिश व आलावृष्टि के चलते ग्रामीण क्षेत्र में बिजली सप्लाई गुल हो गई। मौसम खराब होने से विवाह शादी के समारोह भी फीके रहे। ओलावृष्टि से खराब हुई फसल को लेकर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें दिखाई देने लगी हैं। बेवल, मुंडियाखेड़ा के किसानों ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के कार्यालय इंचार्ज विकास यादव को ज्ञापन सौंपा है। क्षेत्र में ओलावृष्टि से 11 गांवों की करीब 3900 एकड़ पर खड़ी फसल में नुकसान की संभावना है। ओलावृष्टि प्रभावित गांव खैराना, बेवल, दौंगड़ा अहीर, दौंगड़ा जाट, मुंडियाखेड़ा, कलवाड़ी, भालखी, मुडायन, झिगावन, गोमला, झगडोली में फसलों को नुकसान हुआ है।

महेंद्रगढ़। खराब हुई फसल का जायजा लेते विधायक कंवर सिंह यादव।

विधायक ने नष्ट फसल का लिया जायजा

महेंद्रगढ़। विधानसभा के काफी गांवों में शुक्रवार की शाम को बारिश और ओलावृष्टि से फसल में हुए नुकसान का विधायक कंवर सिंह यादव ने अधिकारियों के साथ निरक्षण किया। हाल ही में हुई ओलावृष्टि एवं बारिश से किसानों की फसल नष्ट हो गई। किसानों को हुए नुकसान को देखने विधायक कंवर सिंह यादव ने गांवों का दौरा किया और किसानों के खेतों में पहुंचकर फसल का निरीक्षण किया। सभी किसानों ने विधायक से स्पेशल गिरदावरी कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की। विधायक कंवर सिंह यादव ने किसानों को आश्वासन दिया है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात करके नष्ट हुई फसल का उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। किसानों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। भाजपा सरकार हमेशा किसानों की हितैषी रही है। किसानों को इस नुकसान का पूरा मुआवजा दिलवाया जाएगा। क्षेत्र के दुख दर्द में हर समय वह किसानों के साथ हैं।

कार्रवाई नप टीम टेंपों लेकर महेंद्रगढ़ रोड से अतिक्रमण हटाने का काम कर रही थी

किरण टेंट हाउस वालों एवं नगर परिषद टीम के बीच हाथापाई एवं मारपीट हो गई थी

नगर परिषद की टीम पर हमला करने के आरोप में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नसीबपुर जेल के सामने से अतिक्रमण हटाने गई नगर परिषद की टीम की शिकायत पुलिस ने नसीबपुर के चार अज्ञात एवं 8-10 अज्ञात लड़कों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 191(3), 190, 121(1), 132, 221, 126(1), 351(3), 324(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोनू, उज्ज्वल एवं अमन वासी नसीबपुर को गिरफ्तार कर लिया है। इन्हें शनिवार को सीजेएम जतिन गुजराल की अदालत में पेश करने पर जमानत पर रिहा कर दिया गया।

बता दें कि शुक्रवार प्रातः करीब 10 बजे नगर परिषद की टीम टैंपों लेकर महेंद्रगढ़ रोड से अतिक्रमण हटाने का काम कर रही थी। जब यह टीम नसीबपुर जिला जेल के सामने पहुंची, तब वहां डिवाइडर के बीचोंबीच किरण नामक टैंट हाउस का लोहे का बोर्ड लगा हुआ था। इसी बोर्ड को लेकर किरण टैंट हाउस वालों एवं नगर परिषद टीम के बीच हाथापाई एवं मारपीट हो गई थी। इस पर नप कर्मचारी योगेश शर्मा वासी भुंगारका ने पुलिस को लिखित शिकायत दी थी कि वह साथी कर्मचारियों सचिन वगैरा के साथ उच्चाधिकारियों के आदेश पर महेंद्रगढ़ रोड पर से अतिक्रमण हटाने के लिए गए थे। जब वह नसीबपुर जेल के सामने से किरण टैंट हाउस का लोहे का बोर्ड, जो डिवाइडर में लगाया हुआ था, को हटाने लगे, तब वहां पर सोनू, अमन, यश एवं उज्ज्वल पुत्रान दयानंद तथा 8-10 लोग मौका स्थल पर लाठी-डंडे लेकर आ गए। उनके पास धारदार हथियार भी था। उन्होंने नप टीम पर हमला कर दिया तथा उसे सड़क पर गिराकर लाठी-डंडों से बेरहमी से वार करते हुए जान से मारने की कोशिश की। उन्होंने सरकारी वाहन टैंपों को तोड़फोड़ दिया तथा उसकी गले में पहनी हुई सोने की चेन व हनुमान जी का लॉकेट तथा 300 रुपये जेब में थे, वह सब छीन लिए गए। उसने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई।

शिकायत पर ये भी गिरफ्तार

दूसरी ओर महावीर चौकी पुलिस ने इसी शिकायत के आधार पर उक्त चार ज्ञात सोनू, अमन, उज्ज्वल, यश पुत्रान दयानंद वासी नसीबपुर एवं 8-10 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यहां बता दें कि नगर परिषद के कर्मचारी योगेश एवं सचिन दूसरे दिन भी नागरिक अस्पताल में उपचाराधीन हैं। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित सोनू, अमन एवं उज्ज्वल को गिरफ्तार कर लिया है तथा शेष अन्य की भी गिरफ्तारी जल्द होने की संभावना है।

अक्टूबर 2024 से अब तक निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ और 5 महीने में यह 12 प्रतिशत गिर चुका

बाजार गिरे तब क्या करना चाहिए?

शेयर बाजार में आज गिरावट दर्ज की गई है। लगातार बाजार को गिरता देख निवेशक परेशान हो रहे है ऐसे में आपको बताते है बाजार की गिरावट के टाइम आपको क्या करना चाहिए। शेयर बेच देना चाहिए या एसआईपी बंद कर देना चाहिए या बाजार में टिके रहना चाहिए?

मार्केट क्रैश
शंभू भद्र

बाजार जब गिरता है तो निवेशकों को कुछ समझ नहीं आता है कि शेयर बेच दे, एसआईपी बंद करें या बाजार में टिके रहें। अक्टूबर 2024 से निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ है और ये 5 महीने में 12 प्रतिशत गिर चुका है। 1996 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बाजार में लगातार पांच महीने गिरावट आई है। इससे पहले साल 1996 में जुलाई से लेकर नवंबर महीने के बीच बाजार में लगातार 5 महीने गिरावट देखी गई थी। इन 5 महीनों के दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स 26 प्रतिशत गिरा था। अमेरिका से लेकर यूरोप तक में की गई एकेडमिक स्टडीज से पता चलता है कि जब भी लोग बाजार में निवेश को लेकर घबराएं या चिंतित रहते हैं तब-तब बाजार ने एवरेज से ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका मतलब है जब भी आप सोचते हैं कि शेयर बेच देना चाहिए, एसआईपी बंद कर देना चाहिए और बाजार से निकल जाना चाहिए उस समय ही बाजार में निवेश का सबसे बेहतर समय होता है। साल 2008 में 21 जनवरी को सेंसेक्स एक ही दिन में करीब 1400 अंक गिर गया था। वहीं 2008 के अंत तक सेंसेक्स 20,465 अंक से गिरकर 9716 अंक पर आ गया। वर्ष 2010 सितंबर में सेंसेक्स फिर से 20,000 अंक को पार कर गया। इसके बाद 2020 में कोरोना महामारी के कारण एक हफ्ते में सेंसेक्स 42,273 अंक से गिरकर 28,288 अंक पर आ गया था। 2020 अप्रैल से इसमें रिकवरी देखने को मिली और सेंसेक्स वर्ष के अंत तक 47,751 के स्तर पर पहुंच गया। मतलब, जब-जब बाजार में गिरावट आई है इसमें तेजी से रिकवरी भी दिखी गई है। ऐसे में जो निवेशक पहले से इन्वेस्टेड है उन्हें अपने निवेश में वैसे ही बना रहना चाहिए और जो लोग नया निवेश करना चाहते हैं वह थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

शेयर बाजार लगातार क्यों गिर रहे?

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक पांच महीनों में भारतीय बाजार से 3.11 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। इसके अलावा निवेशकों को चीनी कंपनियों के शेयर भारतीय कंपनियों के शेयरों की तुलना में ज्यादा सस्ते दिख रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी होने के कारण अक्टूबर 2024 में रिटेल महंगाई बढ़कर 6.21% पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 14 महीनों का उच्चतम स्तर था। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से जनवरी 2025 में रिटेल महंगाई घटकर 5 महीने के निचले स्तर 4.31% पर आ गई थी। लेकिन ये कमी निवेशकों का विश्वास बहाल करने के लिए काफी नहीं है। हाल के महीनों में देखा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। डोनाल्ड ट्रम्प की ट्रेड पॉलिसीज से निवेशक काफी चिंतित है। भारत सहित कई अन्य देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी से बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। ट्रम्प ने बीते दिनों कहा था, चाहे वो कोई भी देश हो- भारत या चीन, वे हम पर जितना चार्ज करते हैं, हम भी उतना ही रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, हम व्यापार में बराबरी चाहते हैं।

चीन की ओर रुझान

विदेश संस्थागत निवेशकों का निवेश चीन भी जा रहा है। चीन की सरकार ने पिछले साल देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने के लिए बड़े निवेश का एलान किया था। इस निवेश के बाद एफआईआई चीन के बाजार में जाने लगे थे। यह दौर अभी भी जारी है। ट्रंप की जीत के बाद अमेरिकी बाजार दुनियाभर से निवेश आकर्षित कर रहा है। दूसरी तरफ संस्थागत निवेश के लिए चीन का बाजार एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभरा है। चीन की सरकार के नए प्रयासों ने एक सकारात्मक भावना पैदा की है। चीन ने ब्याज दरों में कटौती की, मार्केट में पैसा डाला और अर्थव्यवस्था को स्थिर किया। इससे निवेशकों को कॉन्फिडेंस मिला है।

उथल-पुथल में अर्थव्यवस्था का हाल

भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? गांवों की मांग और सरकार का जोर इसे बचा सकता है। तमाम बुरी खबरों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में हम कुछ अच्छे संकेत देख सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.2 फीसदी रही, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4% थी। अच्छे मानसून का इसमें बड़ा योगदान है, ग्रामीण इलाकों में लोगों के पास खर्च करने को पैसा आया है। सरकार ने भी खर्च में तेजी लाई है। पिछली तिमाही में हालात ठीक नहीं थे। शहरी मांग कमजोर थी। अप्रत्याशित रूप से शहरी इलाकों में लोगों के खर्च में कमी आई। पिछले साल चुनाव की वजह से सरकारी खर्च भी रुका था। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में मंदी के बादल मंडराते हुए दिख रहे थे।

टैरिफ का मामला उलझा

5.4% ग्रोथ रेट सात तिमाहियों में सबसे कम था। वैश्विक स्तर पर परेशानियाँ कम नहीं हैं। अमेरिका के साथ टैरिफ का मसला उलझा हुआ है। ट्रंप प्रशासन टैरिफ की बात कर रहा है। इससे वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है। विनिर्माण और सर्विस सेक्टर पर असर पड़ा है। आने वाले दिनों में व्यापार, होटल और परिवहन में भी सुस्ती रह सकती है। रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज भी कमजोर हैं। अब अच्छी बातों पर एक नजर डालते हैं तो कृषि क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया। फसल अच्छी हुई। पिछले तीन महीनों में 4.4% की वृद्धि थी। केंद्र और राज्य सरकारें पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़ा रही हैं। सड़कें, पुल और प्रोजेक्ट्स पर पैसा लग रहा है। इनसे अर्थव्यवस्था को सहारा मिल सकता है। रिजर्व बैंक ने हाथ खोले हैं। नीतिगत दरें घटाईं, तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाई। सख्त नियमों को टाला, पर 2025-26 में भी जीडीपी दर 7% से नीचे रहने का अनुमान है। अमेरिकी टैरिफ का असर छोटा होगा, पर कुछ सेक्टर्स को नुकसान होगा। विनिर्माण और सर्विसेज पर दबाव है। बजट में टैक्स राहत दी गई। इससे उपभोक्ताओं को फायदा होगा, पर वैश्विक चुनौतियाँ खत्म नहीं हुईं। तो क्या भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? फिलहाल उम्मीदें कायम हैं।

ये तबाही कब तक जारी रहेगी?

मार्च में कुछ रिकवरी देखने को मिल सकती है। मैक्रोइकॉनमिक स्तर पर बेहतर खबरें आ सकती हैं और कुछ एफआईआईज भी भारतीय बाजार में लौट सकते हैं। अभी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारी बिकवाली, अमेरिकी बांड पर बढ़ती आय, रुपये में भारी गिरावट, तीसरी तिमाही के आय में सुस्ती और हाई वैल्यूवेशन ने हाल के महीनों में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लिए गए टैरिफ को लेकर फैसले ने बाजार की दिशा-दशा बदली है। ऐतिहासिक रूप से मार्च का महीना तेजड़ियों के पक्ष में रहा है, यानी मार्च में शेयर बाजार अक्सर तेजी में रहा है। पिछले 15 सालों में बेंचमार्क इंडेक्स ने 10 बार पॉजिटिव रिटर्न दिया है और निवेशकों की कमाई कराई है। 30 साल पहले ही मार्च के दौरान तेजी रही थी। लंबी अवधि के नजरिए के हिसाब से अच्छे शेयरों को खरीद सकते हैं। वित्त वर्ष 26 में भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए जोखिम और चुनौतियों को देखें तो भारत की विकास संभावनाएं आशाजनक हैं, पर जोखिम भी हैं। निकट भविष्य में बाजार में और कमजोरी नजर आ रही है। निफ्टी शॉर्ट टर्म में और गिरावट की उम्मीद की जा सकती है।

डावांडोल बाजार में क्या अपनाएं रणनीति

यह पूरा हफ्ता निवेशकों के लिए खराब गुजरा है। इसलिए जब गिरावट का दौर हो तो शेयर में निवेश के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। एक शेयर ब्रोकर ट्रेडेड मूल्य पर धन कमाता है। इसलिए ज्यादातर ब्रोकरेज हाउस मुफ्त में सलाह दिया करते हैं। ध्यान रहे जब भी नुकसान होगा, आपका ही होगा। इस हफ्ते आपके निवेश की स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए? अगर आप अपने धन से हाथ नहीं धोना चाहते तो कुछ बुनियादी नियमों का ध्यान रखें।

निवेश के लिए अपनाएं ऐसी स्ट्रैटेजी

ट्रेडर व निवेशक दोनों को अलग-अलग स्ट्रैटेजी अपनानी चाहिए। ट्रेडर है तो स्टॉपलॉस के साथ ट्रेड ले सकते हैं। गिरावट के माहौल का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि ट्रेडरों को कम क्वांटिटी के साथ ट्रेड करना चाहिए। इस वक्त ट्रेडरों के लिए भी काफी मुश्किल भरा मार्केट है। निवेशक के लिए अच्छा है कि वह सीधे निवेश से बचें। एसआईपी जारी रखें। कम अग्रेसिव निवेशक थोड़ा इंतजार करें। बाजार में रिवर्सल के संकेतों का वेट करें। इस वक्त ट्रेडर व निवेशक दोनों संभल कर अपनी स्ट्रैटेजी बनाएं। वारेन बफे के मुताबिक गिरते बाजार में निवेश करने का जोखिम उठाना चाहिए।

टिप्स का अध्ययन करें

लिटमस टेस्ट करें। आपके निवेश करने के पहले, किसी भी विश्लेषक की टिप्स का कुछ समय तक परीक्षण करें। उसके बाद ही फैसला करें। कई ब्रोकरेज हाउस अपनी बड़ी रिसर्च टीम का दावा करते हैं। उनकी रोजाना रिपोर्ट आती हैं। इनमें से कितनी सही रहती होंगी।

पहले रिसर्च करें, बाद में नहीं

निवेश के पहले शेयर के बारे में ठीक से रिसर्च करें। उस पर ब्रोकर से विस्तार से रिपोर्ट मांगें। लंबी अवधि की संभावनाएं अच्छी हों तभी निवेश करें। ट्रिगर प्राइस और टार्गेट प्राइस वाली टिप्स पर समय बर्बाद नहीं करें।

जो तेज चढ़ता है, तेज गिरता है

जब भी ऊंचाई पर कोई आंकड़ा देखा जाता है, उसमें प्रगति की बड़ी संभावना दिखाई देती है। लेकिन जब कोई शेयर काफी बढ़ चुका हो या किसी सेक्टर में काफी तेजी आ चुकी हो, सतर्क रहना चाहिए। ज्यादा पीई अनुपात का मतलब है कि भविष्य में प्रगति दर घटने वाली है।

समय नहीं है तो सिप से लगाएं धन

अगर आपके पास अपने पोर्टफोलियो में नए शेयर चुनने का समय नहीं है तो शेयर बाजार में सीधे धन नहीं लगाएं। सिस्टैमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (सिप) में निवेश से भी काफी मूल्य निर्मित किया जा सकता है।

अस्थिरता होने पर नहीं करें ये गलतियां

घबराकर बिकवाली ना करें

बाजार में अस्थिरता होने पर घबराहट में बिकवाली करने से बचें। यह सबसे पहला नियम है। कयासबाजी पर तुरंत प्रतिक्रिया करना हानिकारक साबित हो सकता है। आपको हमेशा यह बात देखनी चाहिए कि किसी शेयर की पिटाई क्यों हुई है? इसे देखते हुए ही किसी शेयर को बेचने का फैसला करना चाहिए। अगर आप गिरावट की वजहों से संतुष्ट नहीं हैं तो इस बात पर विचार करें कि क्यों आपने उस शेयर को खरीदा था। इससे आपको सही समीक्षा करने में मदद मिलेगी।

सिप को नहीं रोकें

आपका कुछ भी फैसला हो, लेकिन, म्यूचुअल फंड में सिप को रोकने की गलती कतई न करें। इससे सिप को लेने का मकसद विफल हो जाता है। बाजार में मंदी का दौर ही वह समय होता है जब आपको इनके साथ जरूर बने रहना चाहिए। इससे आपको अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है। सिप को रोककर आप इक्विटी में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ खो देंगे। गिरावट के समय आपको कम कीमत पर ज्यादा यूनिटें खरीदने का मौका मिलेगा। बाजार के वापसी करने पर आप इसका फायदा उठा सकेंगे। लंबी अवधि में इक्विटी से सबसे अच्छा रिटर्न मिलता है। इसलिए इनके साथ बने रहने में समझदारी है।

सिर्फ गिरावट के समय नहीं खरीदें

केवल पिटे हुए स्टॉकों में पैसा लगाने में आप गलती भी कर सकते हैं। इस बात का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है कि किसी कंपनी का निचला स्तर क्या होगा। इससे आप सही मूल्य को आंकने के चक्कर में बुरी तरह से फंस सकते हैं। नए निवेशकों को फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों से दूर रहना चाहिए। किसी कंपनी में निवेश करने से पहले उसके बुनियादी पहलुओं को देखना चाहिए। इस बात की भी जानकारी करनी चाहिए कि कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है। उसके रेवेन्यू, प्रॉफिट, प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो और डेट-टू-इक्विटी रेशियो के बारे में जानकारी कर लेनी चाहिए। अगर आप खुद यह काम नहीं कर सकते हैं तो किसी प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए।

एक सेक्टर में लिवाली न करें

हमेशा डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोचना चाहिए। कहते हैं कि एक टोकरी में सभी अंडों को रखना बड़े नुकसान को दावत दे सकता है। इसलिए गिरावट के समय अच्छे शेयरों में निवेश के मौके तलाशने चाहिए। केवल एक सेक्टर के शेयरों में ही दांव लगाने से बचना चाहिए।

कर्ज लेकर शेयरों में न लगाएं

कई लोग ज्यादा रिटर्न के लिए कर्ज लेकर शेयरों में लगा देते हैं इस तरह के निवेश के तरीके को मार्जिन इंवेस्टिंग कहा जाता है। बेशक इस तरह से अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है। लेकिन, इसमें नुकसान भी बहुत ज्यादा होता है। इस तरह के निवेश के तरीके से हमेशा ही बचना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के वक्त तो और भी चौंकन्ना हो जाना चाहिए।

इक्विटी एनालिसिस सीखना आसान

ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

जब आप इक्विटी में निवेश करने जाते हैं तो सबसे मुश्किल काम एनालिसिस समझा जाता है। एक छात्र कॉलेज में स्टॉक मार्केट गेम्स खेला करता था। उन्हें इस गेम में मजा आया, लेकिन वह यह भी जानता था कि यह पैसा बनाने का भरोसेमंद तरीका नहीं है। उसके बाद वे इक्विटी एनालिसिस कॉम्पिटिशन में शामिल हुआ और उन्हें पता चला कि उस फोरम में जिन केस पर चर्चा हुई, वे बेहद पेचीदा थे। क्या किसी नए शख्स के लिए इक्विटी एनालिसिस शुरू करने का कोई आसान तरीका हो सकता है? अगर किसी ने फाइनेंस की पढ़ाई नहीं की है तो वह इक्विटी एनालिसिस सीखने की शुरुआत कैसे करे? आइए जानते हैं। इक्विटी एनालिसिस में कई फैक्टर्स शामिल होते हैं। इसमें आपको सूचनाओं का गंभीरता से विश्लेषण करना पड़ता है। हालांकि, बुनियादी कॉन्सेप्ट्स सिंपल और सीधे हैं। आपको यह देखना होता है कि कंपनी में ऐसी क्वॉलिटी है, जिससे उसका मुनाफा लंबे समय तक बढ़ता रहे? यह सबसे बड़ा सवाल होता है। अगर जो भी एनालिसिस करें, उससे यह पता चलना चाहिए। यह नए बिजनेस के लिए मार्केट ऑपर्च्युनिटी हो सकती है या प्रमोटर्स की समझदारी या प्रॉडक्ट्स तैयार करने का इनोवेटिव तरीका, जिससे कम समय में कंपनी बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर ले। इन सभी कामकाज का असर आखिरकार कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है।

ऐसे समझें

एक ऐसे बिजनेस की कल्पना करिए, जिसकी शुरुआत प्रमोटर्स ने अपने जेब से लगाए पैसे से की हो। इनवेस्टर्स को रिटर्न देने के लिए बिजनेस को एसेट्स की जरूरत पड़ेगी, जिससे वह कोई प्रॉडक्ट बना सके या सर्विस ऑफर कर सके। यह पैसा इस काम के लिए लगाया जाता है और इससे फिर आमदनी होने लगती है। एनालिसिस की शुरुआत इससे की जा सकती है कि कंपनी सेल्स से जो कमाई कर रही है, उससे मुनाफा होगा। टैक्स के बाद जो मार्जिन बचता है, वह इनवेस्टरों के लिए होता है। इसलिए सबसे पहले आपको इस आंकड़े पर नजर डालनी चाहिए। उसके बाद यह सवाल करना चाहिए कि सेल्स में कैसे बढ़ोतरी होगी? क्या कंपनी ट्रेडिंग बिजनेस से जुड़ी हुई है? क्या वह पैसों का इस्तेमाल सामान खरीदने के लिए करती है। इस स्टॉक के क्लीयर होने पर उसे मुनाफा होने लगेगा। कुछ कैपिटल बिजनेस की एसेट्स में ब्लॉक हो सकता है। हालांकि, एसेट्स से जितनी सेल्स हासिल होगी, इनवेस्टर्स का रिटर्न उतना ही अच्छा होगा।

ऐसे करें आकलन

मान लीजिए कि किसी बिजनेस की शुरुआत 100 रुपये से होती है। इस पैसे को फिक्स्ड एसेट्स, स्टॉक और मैटीरियल्स में लगाया जाता है। इससे फिर सामान तैयार किया जाता है। साल के अंत में 150 रुपये की बिक्री हासिल होती है, जिसकी लागत 125 रुपये रहती है। इसमें टैक्स के बाद 25 रुपये का मुनाफा होता है। ऐसे में इनवेस्टर्स का रिटर्न 25 पर्सेंट होगा। अब मान लीजिए कि उस कैपिटल से कंपनी को 300 रुपये की सालाना सेल्स हासिल होती है क्योंकि वह साल में दो बार उतना सामान तैयार करके बेचती है। तब इनवेस्टरों का रिटर्न दोगुना हो जाएगा। एक बिजनेस जो कैपिटल की मदद से अधिक सेल्स हासिल करता है और वह एसेट्स में पहले जितना ही इनवेस्टमेंट करता है तो शेयरहोल्डर्स को अधिक रिटर्न मिलता है। एसेट्स टु सेल्स टर्नओवर से इनवेस्टर्स का रिटर्न बढ़ता है। सेल्स-एसेट्स ऐसा डेटा है, जिससे इनवेस्टर को बिजनेस की एसेट प्रॉडक्टिविटी का पता चलता है।

कर्ज की समझ जरूरी

तीसरी चीज कर्ज है। अगर कोई बिजनेस कैपिटल पर 25 फीसदी का रिटर्न हासिल करता है, तो प्रमोटर्स 10 फीसदी पर कर्ज लेकर उसमें इनवेस्ट करना पसंद करेंगे। मान लीजिए कि बिजनेस में 50 फीसदी इक्विटी और 50 फीसदी बॉरोइंग है। तब क्या होगा? उस वक्त ब्याज चुकाने के बाद मुनाफा 25 रुपये से घटकर 20 रुपये रह जाएगा। हालांकि, 50 रुपये के इक्विटी पर 20 रुपये के रिटर्न 40 फीसदी होगा। यह पहले के 25 फीसदी रिटर्न से अच्छा है। इसलिए एसेट टु नेटवर्थ डाटा को भी देखना चाहिए। रिटर्न ऑन इक्विटी प्रॉफिट मार्जिन, सेल्स एसेट्स और एसेट्स नेटवर्थ से डिसाइड होता है।

इक्विटी के दम से पूरे करें सपने

किसी भी लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में रिस्क रिवॉर्ड रेशियो का ज्यादा झुकाव इक्विटी इनवेस्टमेंट की तरफ होता है। रिस्क फ्री फिक्स्ड इनकम इनवेस्टमेंट की श्रेष्ठता तब धरी-की-धरी रह जाती है, जब हमें समझ आता है कि जोखिम से आजादी दिखने वाली चीज असल में कुछ हाथ नहीं आने की आजादी है। ये बात हमें तब समझ आती है जब हम रियल, इन्फ्लेशन एडजस्टेड, टैक्स बाद रिटर्न पर गौर करते हैं। हम जैसे ही इक्विटी निवेश की अपरिहार्यता को स्वीकार कर लेते हैं, हमारे सामने तुरंत यह सवाल आता है कि यह मुश्किल काम किया कैसे जाए?

निवेश के दो तरीके

जिन लोगों ने पहले कभी शेयरों में निवेश नहीं किया है उनके लिए यह तय करना मुश्किल है कि शुरुआत कहां से की जाए। वैसे इक्विटी निवेश के दो तरीके होते हैं। एक तरीका यह है कि आप शेयरों का चुनाव और खरीद-फरोख्त खुद करें। दूसरा, इक्विटी फंड्स के जरिए निवेश करें। दोनों का अंतिम मकसद एक ही होता है- इक्विटी से सुपीरियर रिटर्न हासिल करना। हालांकि, दोनों एक्टिविटीज एक दूसरे से एकदम अलग हैं। अगर आप एक्सपर्ट नहीं हैं या इसके लिए ज्यादा वक्त देने को तैयार नहीं हैं तो खुद निवेश करने के बारे में सोचने का कोई फायदा नहीं। ऐसे में म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प होंगे। ऐसे कई लोग हैं, जो अपना पोर्टफोलियो खुद मैनेज कर रहे हैं और बेहतर रिटर्न पा रहे हैं। हालांकि, 100 में से 5 या 10 को कामयाबी मिल पाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश से इन दिक्कतों से छुटकारा पाया जा सकता है। इक्विटी निवेश का मूल मंत्र यह है कि आपकी नजर में कामयाब स्टॉक इनवेस्टिंग क्या है और इंफॉर्मेशन, एनालिसिस के आधार पर बनी निवेश योजना को अंजाम देने की क्षमता कितनी है। लेकिन म्यूचुअल फंड्स के जरिए इक्विटी निवेश के बहुत ज्यादा फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें अनुशासित डायवर्सिफिकेशन होता है। फंड मैनेजर्स संस्थागत दायरे में काम करते हैं जिसमें उन पर निवेश के कुछ नियम लागू होते हैं। इसमें पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड रहेगा और इंडिविजुअल शेयर, सेक्टर या स्टॉक टाइप को लगने वाले झटके से सुरक्षित रहेगा। दूसरा फायदा यह होता है कि इसमें छोटी रकम से निवेश शुरू किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड्स में आप कुछेक हजार रुपये से शुरुआत कर सकते हैं। यह आसान भी होता है। इक्विटी फंड्स का एक और फायदा ये होता है कि लॉन्ग टर्म में इनसे ज्यादा रिटर्न मिलता है। शेयरों के अट्रैक्शन के हिसाब से सभी इक्विटी पोर्टफोलियो में उनकी कुछ खरीदफरोख्त होती है।

ये पांच खूबियां, तभी निवेश में कामयाबी

बिजनेस डेस्क

लोकप्रिय मान्यता के विपरीत, पैसे कमाने के लिए प्रतिभा और कौशल की उतनी जरूरत नहीं होती है जितना उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सही दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। आप शानदार रणनीतियां बनाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते हैं तो आप ज्यादा कुछ नहीं कर पाएंगे। सफल निवेशक, अपने निवेश के मार्ग पर दृढ़ता और धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहते हैं और लक्ष्य तक पहुंच कर ही मानते हैं। अगर आप भी निवेशक के तौर पर कामयाबी हासिल करना चाहते हैं तो आपे में पांच खूबियां जरूर होनी चाहिए।

पहले बचत, बाद में खर्च

सफल निवेशक महीने की शुरुआत बचत से करते हैं और खर्च बाद में करते हैं। पहले बचत करने से खर्च पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। पैसे बनाने के लिए आपका भी पहला कदम यही होना चाहिए। आप ऑटोमैटिक तरीके से महीने की शुरुआत में ही अपनी बचत को लॉक कर सकते हैं। आप बैंक को आपके रेकरिंग डिपॉजिट अकाउंट या म्यूच्यूअल फंड एसआईपी के लिए हर महीने की शुरुआत में ही कुछ रकम काट लेने का स्थायी निर्देश दे सकते हैं।

उद्देश्य के अनुसार निवेश

व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित करना और उसी के हिसाब से निवेश करना एक और ऐसी ही खूबी है जो काफी फायदेमंद साबित होती है। इस बात पर ध्यान देते हुए कि संसाधन सीमित हैं, आपको अपने लक्ष्यों की प्राथमिकता के आधार पर रैंकिंग करनी चाहिए और अपने निवेश लक्ष्य के अनुसार निवेश साधनों का चयन करना चाहिए। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह और रिटायरमेंट की प्लानिंग जैसे लक्ष्य दीर्घकालिक होते हैं और इसके लिए आपको म्यूच्यूअल फंड्स और पीपीएफ जैसे साधनों में निवेश करना चाहिए। दूसरी तरफ, कार खरीदना या छुट्टी में घूमने जाना जैसे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लिक्विड फंड्स, रेकरिंग डिपॉजिट जैसे अल्पकालिक निवेश साधनों में निवेश किया जा सकता है।

जोखिम उठाने की क्षमता

सफल निवेशक जोखिम उठाने से घबराते नहीं हैं। अच्छा रिटर्न पाने के लिए आपको जोखिमवाले निवेश साधनों में निवेश करना चाहिए। अपना सारा पैसा किसी पारंपरिक संपत्ति में लगाकर आप ज्यादा मुनाफा नहीं कमा पाएंगे। यहां तक कि अधिकांश पारंपरिक संपत्तियों में भी थोड़ा-बहुत जोखिम तो होता ही है। ब्याज दरें समय-समय पर घटती-बढ़ती रहती हैं। उठाए जानेवाले जोखिम को किसी अच्छे रिस्क मैनेजमेंट प्लान की मदद से सुरक्षित किया जा सकता है।

निवेश में लाएं विविधता

अनुभवी निवेशक किसी एक एसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करते हैं। उनका कहना है कि अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें। अलग-अलग निवेश साधनों में अलग-अलग रिटर्न मिलने की संभावना रहती है और जोखिम भी अलग-अलग होता है। इक्विटी में बहुत अच्छा रिटर्न मिलता है लेकिन यह बहुत परिवर्तनशील होता है। ऋण निवेश साधनों (डेट इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) में थोड़ा कम जोखिम होता है और कम रिटर्न मिलता है। दूसरी तरफ, रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश में कम जोखिम होता है और अच्छा रिटर्न भी मिलता है लेकिन इसमें लिक्विडिटी का अभाव होता है। इसलिए, पोर्टफोलियो बनाते समय किसी एक ऐसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करना बेहतर होता है। इस तरह जोखिम भी कम हो जाएगा और रिटर्न से समझौता भी करना नहीं पड़ेगा।

पैसे निकालने की आदत छोड़ दें

अंतिम लेकिन बिल्कुल महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपने निवेश के मामले में धैर्य रखना पड़ेगा। सफल निवेशक किसी के कहने पर या इधर-उधर की बातों या विज्ञापनों पर आंख मूंदकर भरोसा करके पैसे निकालने की गलती नहीं करते हैं। मच्योरिटी से पहले निवेश की रकम निकाल लेने से लक्ष्य आधारित निवेश का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है। अपने निवेश पर अटल रहने के लिए निवेश के उद्देश्य को याद रखना जरूरी है। दीर्घकालिक निवेशों को अबाधित छोड़ देने पर अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। इसलिए समय से पहले अपने निवेश को भंजाने की गलती न करें।

सचेत रहते हुए रणनीति बनाएं, तभी गिरते बाजार में कमा पाएंगे निवेशक

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार में लगातार गिरावट को दौर जारी है। ऐसे में निवेशकों को भी अलर्ट रहना होगा। भारतीय शेयर बाजार जबरदस्त हलचल से भरा हुआ है। निफ्टी 50 लगातार गिरावट के दौर से गुजर रहा है और अगर आगे भी यह ट्रेंड जारी रहा, तो यह 28 साल में अपनी सबसे लंबी गिरावट दर्ज करेगा। इससे पहले 1996 में ऐसी गिरावट देखने को मिली थी। निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा है। लगातार गिरावट के इस माहौल में निवेशकों के मन में बड़ा सवाल है अब आगे की रणनीति क्या बनाई जाए, ताकि कुछ वसूली हो सके और निवेशक घाटे से उबर सकें। ऐसे में क्या करें, बाजार से बाहर निकलें? धैर्य बनाए रखें? (लेकिन कब तक?) या नए अवसरों की तलाश करें? इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब मिलेंगे जो आपको बाजार की सही दिशा के बारे में जागरूक कर सकते हैं।

इस समय एक गिरावट तोड़ सकती है निफ्टी का 28 सालों का रिकार्ड

बाजार के आंकड़े किधर जा रहे

एक्सपर्ट्स की राय जानने से पहले बाजार की स्थिति पर एक नजर डालते हैं। निफ्टी पिछले साल सितंबर से गिर रहा है और इसमें लोअर टॉप-लोअर बॉटम पैटर्न बन रहा है। अक्टूबर 2024 से अब तक यह 11.7% गिर चुका है। फरवरी के पहले कुछ हफ्तों में ही इसमें 3% की गिरावट दर्ज हो चुकी है। सन 1990 के बाद से सिर्फ दो बार ऐसा हुआ है जब निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा हो। पहली बार 1994-95 में जब यह 31.4% टूटा था और दूसरी बार 1996 में जब यह 26% गिरा था। मौजूदा गिरावट तुलनात्मक रूप से कम है, लेकिन चिंताजनक बनी हुई है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली एक बड़ी वजह बन रहा है। अक्टूबर 2024 से एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं। वैश्विक कारणों को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। चीन के बाजारों में जबरदस्त रिकवरी आई है, जिससे विदेशी निवेशक वहां शिफ्ट हो रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी नीतियां भी उभरते बाजारों पर असर डाल रही हैं।

निवेशक क्या करें

एक्सपर्ट्स का मानना है कि मौजूदा गिरावट में सावधान रहने की जरुरत है मगर घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक निवेश का अवसर भी हो सकता है। अब सवाल उठता है कि इस रणनीतिक निवेश की दिशा क्या होगी? हम ब्रोकरेज हाउस और एक्सपर्ट्स की राय के आधार पर इन्हें बिंदुवार रखते हैं।

निवेशकों के लिए धैर्य जरूरी

अगर आप लंबी अवधि के निवेशक हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। निफ्टी 50 का एक साल का फॉरवर्ड पी/ई अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे कारोबार कर रहा है, जिसका मतलब है कि यह भविष्य में मजबूती पकड़ सकता है।

नई खरीदारी का सही समय

कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह खरीदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज सलाह देता है कि निवेशक बॉटम-अप स्टॉक-पिकिंग रणनीति अपनाएं और चरणबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता वाले स्टॉक में निवेश करें।

ट्रेडर्स के लिए क्या रणनीति

अगर आप शॉर्ट-टर्म ट्रेडर हैं, तो यह समय सतर्क रहने का है, जानकारों का कहना है कि जब तक निफ्टी 22,850 के नीचे बना रहेगा, तब तक बिकवाली का दबाव रहेगा। गिरावट की स्थिति में 22,500-22,400 के स्तर तक जाने की संभावना है। ऐसे में ट्रेडर्स को स्टॉप-लॉस का सख्ती से पालन करना चाहिए।

टैक्स हार्वेस्टिंग का लाभ उठाएं

अगर आपने इस साल कुछ नुकसान उठाया है, तो आप इसे टैक्स बचाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।एसबीआई सिक्योरिटीज का सुझाव है कि अगले पांच हफ्तों में टैक्स हार्वेस्टिंग रणनीतियों पर ध्यान देना चाहिए। यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

विदेशियों की रणनीति पर ध्यान दें

एक अन्य विशेषज्ञ के अनुसार, वर्तमान में 'भारत बेचो, चीन खरीदो' की रणनीति अपनाई जा रही है, लेकिन यह ट्रेंड हमेशा के लिए नहीं रहेगा। उभरते बाजारों में पैसा फिर से लौटेगा, और जब ऐसा होगा तो भारतीय शेयर बाजार को भी इसका लाभ मिलेगा।

कौन-से सेक्टर में निवेश करें

- आईटी सेक्टर : रुपये की कमजोरी के कारण आईटी कंपनियों को फायदा हो सकता है।
- बैंकिंग और फाइनेंस : मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां इस गिरावट के बाद तेजी से उभर सकती हैं।
- रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग : सरकार की मेक इन इंडिया पहल के कारण इन सेक्टर्स में ग्रोथ देखने को मिल सकती है।
- फार्मा और हेल्थकेयर : लंबी अवधि के लिए यह एक स्थिर निवेश विकल्प हो सकता है।

यह रखें ध्यान

कुल मिलाकर निफ्टी 50 ऐतिहासिक गिरावट के करीब जरूर है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि निवेशकों को घबराकर बाजार से बाहर निकल जाना चाहिए, यह एक ऐसा समय है जब सही रणनीति और धैर्य के साथ काम करने की जरूरत है। मार्केट एक्सपर्ट्स से मिली सीख यह है कि लॉन्ग-टर्म निवेशक गुणवत्तापूर्ण स्टॉक्स को होल्ड करें, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स स्टॉप-लॉस के साथ चलें, और नए निवेशक चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में निवेश करें. बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा आते हैं, लेकिन स्मार्ट निवेशक वही होते हैं जो इन मौकों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं।

खबर संक्षेप

संस्कार भारती स्कूल में खेल प्रतियोगिता आज

महेंद्रगढ़। संस्कार भारती स्कूल पाली में एमेच्योर कबड्डी संघ के द्वारा सीनियर, जूनियर, सब-जूनियर लड़कियों व सर्किल स्टाइल (महिलाओं) दोनों वर्गों में जिला स्तरीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया जाएगा। कबड्डी संघ प्रधान संजीव तंवर ने बताया कि सब-जूनियर वर्ग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म एक जनवरी 2009 के बाद व जूनियर के लिए एक जनवरी 2005 के बाद का होना चाहिए।

ओलावृष्टि का मुआवजा दे सरकार: राव सुखबिंद्र

नारनौल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अधीक्षण अभियंता राव सुखबिंद्र सिंह ने क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों को हुए भारी नुकसान पर दुःख प्रकट करते हुए सरकार से मांग की है कि तुरंत विशेष गिरदावरी करवाकर सभी पीड़ति किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। राव ने किसानों से मुलाकात करने के बाद बताया कि नारनौल व आसपास के अनेक गांवों में गेहूं व सरसों की फसल में 70 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है, तो फल सब्जी की फसलें भी पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। जिससे किसानों को भारी आर्थिक हानि हुई है। उन्होंने सरकार ने मांग की है कि ओलावृष्टि पीड़ति सभी गांवों में विशेष गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दिया जाए।

बेटी को घोड़ी पर बैठाकर निकाला बनवारा

नारनौल। समाज में बेटा बेटी को बराबरी का दर्जा देने के लिए एक अनूठी मिसाल पेश करते हुए बलवान यादव ने अपनी पुत्री मोंटी यादव के विवाह में घोड़ी पर बैठाकर भव्य बनवारा निकाला। इस ऐतिहासिक पहल में लड़की के चाचा नरेश यादव ने भी अपनी भतीजी के सम्मान में भाग लिया। यह भव्य बनवारा हीरा नगर कॉलोनी नजदीक तिरंगा भवन बाईपास महात्मा ज्योतिबा फुले चौक से निकाला गया। जिसने समाज में बेटियों के सम्मान और समानता का संदेश दिया।

एचपीएस स्कूल के वार्षिकोत्सव में दिखा सनातन व संस्कृति का समागम

पुण्य प्रतिमा प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव व पुण्य प्रतिमा प्रतिष्ठा समारोह का भव्य आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि परमहंस आश्रम के पीठाधीश महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज, कार्यक्रम अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव, विशिष्ठ अतिथि पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा व सनातन महासंघ के संस्थापक गौतम खट्टर ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सर्वप्रथम विद्यालय के विद्यार्थियों ने यज्ञ पुरोहित डा. निलेश मुदगल के सानिध्य में पूर्ण विधिविधान पूर्वक मंत्रोच्चारण करते हुए 108 कुंडीय हवन में आहुति डलवाई। जिसके उपरांत विद्यार्थियों की डंका बाजेगा राम नाम का, शिव तांडवस्तोत्र, ये तो सच है कि भगवान है, जैसी करनी वैसी भरनी जैसे विभिन्न सनातनी व माता पिता की सेवा हेतु प्रेरित करने वाली मनमोहक प्रस्तुतियों ने मेहमानों व अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यालय प्राचार्य सुनील यादव ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। विद्यालय निदेशक पुष्करमल वर्मा व डीन मनोज भारद्वाज ने सभी अतिथिगणों व अभिभावकों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि स्वामी धर्मदेव महाराज ने कहा कि आज के आधुनिक युग में भी शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को इस प्रकार अपनी सनातनी परंपरा का भी ज्ञान देना ही एक सच्चे विद्यालय का कार्य है और आज बच्चों की प्रस्तुतियां देखकर मन आनंदित है कि जहां बच्चों को माता पिता की सेवा व हमारी पौराणिक संस्कृति का पाठ पढ़ाया जाता है।

खास बातें

- विद्यालय प्राचार्य सुनील यादव ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। विद्यालय निदेशक पुष्करमल वर्मा व डीन मनोज भारद्वाज ने सभी अतिथिगणों व अभिभावकों का स्वागत किया।
- विद्यार्थियों ने यज्ञ पुरोहित डा. निलेश मुदगल के सानिध्य में पूर्ण विधिविधान पूर्वक मंत्रोच्चारण करते हुए 108 कुंडीय हवन में आहुति डाली

नारनौल। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी व पुण्य प्रतिभा प्रतिष्ठा का शुभांरभ करते हुए अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

बच्चों को दी प्रेरणा

विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से विद्यार्थियों को हमारी परंपरा व संस्कृति का पता चलता है। प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने बच्चों का मनोबल बढ़ाया तथा स्वर्गीय सूरजभान वर्मा व कलावती देवी को याद करते हुए उनके संस्मरण सांझा किए।

मांडोला में बागवानी पर जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित

हरियाणा सरकार बढ़ा रही किसानों की आय: कंवर सिंह यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार विभिन्न स्कीमों के माध्यम से लगातार किसानों की आय बढ़ा रही है। यह बात विधायक कंवर सिंह यादव ने शनिवार को बागवानी विभाग की ओर से गांव मांडोला में आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मेले में लगभग 250 प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार ने किसानों के लिए अनेक योजनाएं चलाई हुई हैं। किसानों को इन योजनाओं का फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बागवानी विभाग की स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम किसानों को मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इसके बाद विभाग से संपर्क कर विभिन्न स्कीमों का लाभ लेकर किसान अपनी आय को बढ़ा सकते हैं। किसान इस क्षेत्र में बेर, खजूर तथा अनार जैसे शुष्क मौसम के फल लगा सकते हैं। संरक्षित आकृति जैसे नैट हाऊस, मल्चिंग व टनल के अंदर सब्जी की काश्त आधुनिक तरीके जैसे टपका सिंचाई प्रणाली के माध्यम से किसान अपनी आय में मुनाफा कर सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि किसान अधिक से अधिक बागवानी फसलों के नवीनतम तकनीकी ज्ञान से अवगत हो सके। उन्होंने किसानों व उद्यमियों द्वारा लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया तथा प्रगतिशील किसानों से उनके उत्पादों के बारे में जानकारी ली। उद्यान हरियाणा के संयुक्त निदेशक डॉ. सुधीर यादव ने किसानों से अधिक से अधिक बागवानी से जुड़ने का आह्वान किया तथा बागवानी विभाग द्वारा चलाई जा रही सभी स्कीमों के बारे में अवगत करवाया।

एक किसान अधिकतम सब्जी उत्पादन में दो हेक्टेयर व सब्जी बीज उत्पादन में पांच हेक्टेयर एवं मसाले उत्पादन में चार हेक्टेयर तक का लाभ ले सकता है। सब्जी उत्पादन के लिए साथ में समनवित मद जैसे वैम्बूस्टेकिंग, मल्चिंग, टनल या मिनी, ड्रीप सिस्टम के साथ सब्जी लगाना अनिवार्य है तथा बीज उत्पादन मद के लिए कंपनी एवं किसानों के बीच एग्रीमैन्ट होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि सब्जियों की खेती में कीट से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किसान फिरोमैन ट्रैप, स्टीकी ट्रैप, सौलर लाईट ट्रैप लगाकर किसान अपनी फसल को कीट से होने वाले नुकसान से बचा सकते है।

महेंद्रगढ़। किसानों को बागवानी फसलों के बारे में जागरूक करते अधिकारी।

योजनाओं का लाभ लेने के लिए करवाएं पंजीकरण

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ की जलवायु के अनुसार यहां पर सब्जी व मसाले की खेती व उनका बीज उत्पादन आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए बागवानी विभाग 15 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान दे रहा है। इस स्कीम में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लाभांवित किया जाता है। स्कीमों का लाभ लेने के लिए सर्वप्रथम मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाकर किसान बागवानी विभाग के पोर्टल एचओआरटी नेट डॉट जीओवी डॉट इन पर पंजीकरण करवाकर जरूरी दस्तावेज अपलोड करने के बाद ही स्कीम का लाभ लेने का योग्य होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एकीकृत बागवानी विकास केंद्र सुंदरह से परियोजना अधिकारी डॉ. नेहा यादव, डॉ. मुकेश शिवरान, कृषि विज्ञान केंद्र से वरिष्ठ संयोजक डॉ. जयलाल यादव, डॉ. नरेंद्र सिंह, कृषि विभाग नारनौल से एसडीओ डॉ. अजय यादव के अलावा सभी ब्लॉक इंचार्ज व फील्ड स्टॉफ तथा सरपंच सहित अन्य उपस्थित थे।

नारनौल। बीपीएस स्कूल स्टाफ व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बीपीएस स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकूला के तत्वावधान में बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के अनेक स्कूलों के 60 अध्यापकों व प्राचार्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ स्कूल चेयरमैन नरेश संघी व सचिव किशन चौधरी एडवोकेट ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित किया। अध्यक्षता वाइस चेयरमैन कमल संघी व सह-सचिव डा. कर्ण चौधरी ने की। कार्यशाला का संचालन सीबीएसई के ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर व रिसोर्स प्रतिनिधि राजन कुमार शर्मा व डा. अनिता पंत शर्मा ने किया। उन्होंने कार्यशाला को विभिन्न सत्रों में बांटकर रोचक गतिविधियों व जीवंत उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को अधिगम प्रतिफल का महत्व, नवीन शिक्षण विधियों, शिक्षण में नवाचार व मूल्यांकन की विधियों से अवगत कराया गया। राजन शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार हर अध्यापक को 50 घंटे की ट्रेनिंग लेना अनिवार्य है। अध्यापक प्रशिक्षण निःसंदेह अध्यापकों की कार्यकुशलता को नए आयाम प्रदान करेगा। डा. अनिता शर्मा ने बताया कि सीबीएसई इस दिशा में प्रयासरत है व अध्यापकों को ट्रेनिंग के अनेक अवसर प्रदान करती है। नई शिक्षा नीति शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लेकर आई है। कार्यशाला के समापन पर वेन्यू डायरेक्टर व बीपीएस स्कूल के प्राचार्य उदयभान राव ने धन्यवाद देते हुए डा. अनिता शर्मा व राजन शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

सिंघानिया यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिंघानिया यूनिवर्सिटी में साइंस-डे मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि डिपार्टमेंट आफ एटॉमिक एनर्जी गवर्नमेंट आफ इंडिया के पूर्व एडिशनल डायरेक्टर डॉ. ओपी यादव तथा विशिष्ट अतिथि गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. उस्मान गनी व अध्यक्षता कैंपस डायरेक्टर डॉ. पीएस जस्सल ने की। इस दौरान सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा साइंस मॉडल का प्रस्तुतीकरण किया गया। सिंघानिया विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं टीचिंग स्टाफ द्वारा साइंस-डे के उपलक्ष्य में डॉक्युमेंट्री स्किट कंपटीशन एवं संबोधन दिए गए। फिजिक्स डिपार्टमेंट के हेड डॉ. कपिल शर्मा द्वारा साइंस की डॉक्यूमेंट्री एवं सतत विकास पर प्रकाश डाला गया। मुख्यातिथि डॉ. ओपी यादव ने भारत की प्राचीन विज्ञान संबंधी घटनाओं एवं उनका वैज्ञानिक स्वरूप देने वाले महान वैज्ञानिकों के बारे में बताया। डॉ. उस्मान गनी ने मेडिकल से संबंधित विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को रखा। डॉ. जैसल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से विज्ञान आजकल के सामाजिक प्रवेश में अपनी अहम भूमिका निभा रहा हैं। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के साथ वैज्ञानिक तरीके से समस्याओं के समाधान एवं निवारण के बारे में बताया। डॉ. पवन त्रिपाठी ने महान वैज्ञानिक सीवी रमन एवं रमन इफेक्ट तथा उससे संबंधित घटनाओं के बारे में चर्चा की।

नारनौल। कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ब्रिलिएंट स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन

कनीना। गांव धनौंदा स्थित ब्रिलिएंट विद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें खेल, शिक्षा, कृषि, चिकित्सा व समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चार लोगों को पुष्पा देवी मेमोरियल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। बोर्ड परीक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले दसवीं कक्षा के उन्नीस तथा बारहवीं कक्षा के ग्यारह छात्र-छात्राओं को ब्रिलिएंट स्टूडेंट अवार्ड तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी ठाकुर अतरलाल एडवोकेट ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। ठाकुर अतरलाल ने मां सरस्वती तथा संस्थापक प्रिंसिपल पुष्पा देवी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विद्यार्थियों ने देशभक्ति एवं सामाजिक मुद्दों से जुड़े विषयों पर गीत, भजन, नाटक व भाषण आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। एलकेजी-यूकेजी के छोटे-छोटे बच्चों ने श्री गणेश देवा, जय हो केसरी के लाल तथा छोटा बच्चा जानके हमको ना समझाना-रे गीतों पर शानदार नृत्य करके समा बांध दिया। हर्ष, मानसी, मयंक, दिव्या, गौरव व खुशी ने विभिन्न विषयों पर हिंदी व अंग्रेजी में भाषण देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। 7वीं कक्षा की छात्राओं प्रिया, हर्षिता, विनीका व तानिया आदि ने नशा एक बुराई पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत करके उपस्थित दर्शकों से नशे के दुष्चक्र से बचने की अपील की। कक्षा छठी और सातवीं के छात्रों दिपांशु, आदित्य, ओम, विहान, गौरव, गर्व, अंश, निशांत आदि ने अंधेर नगरी चौपट राजा हास्य नाटिका प्रस्तुत करके लोगों को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। नौवीं कक्षा की छात्राओं ने लाडो तेरे बिना सूना संसार गीत गाकर भ्रूण हत्या रोक लगाने का संदेश दिया।

हवन पूजन के साथ हुआ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर ज्ञानदीप सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुरजनवास में हवन पूजन के साथ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया गया। प्रधानाचार्य रामबीर यादव ने बताया कि इससे पूर्व विद्यालय ने सभी कक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया था, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शत-प्रतिशत परिणाम के साथ बच्चों ने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। हवन पूजन वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें विद्यालय संस्थापक राम सिंह यादव ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति की एक अनमोल परंपरा है, जो न केवल पर्यावरण को शुद्ध करता है, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन का पालन करना चाहिए। आब्जर्वर उमेश यादव ने कहा कि नए शैक्षणिक स्तर पर हवन का आयोजन शुभ संकेत होता है। इससे विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ा जाता है। साथ ही यह उनके मनोबल को भी बढ़ाता है। विद्यालय प्रबंधन समिति समय-समय पर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद, ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। निरंजन जोशी ने वेदों और मंत्रों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हवन हमें नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त करता है और हमें आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करता है।

महेंद्रगढ़। नए सत्र पर हवन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

हैप्पी स्कूल ने हकेंवि में हुई प्रतियोगिता में जीते सर्वाधिक पदक

महेंद्रगढ़। विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में हैप्पी स्कूल के विद्यार्थियों ने सर्वाधिक पदक अपने नाम किए हैं। इन प्रतियोगिता में प्रत्येक क्षेत्र के अनुसार लगभग 100 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की थीम इंपावरिंग इंडियन यूथ फॉर ग्लोबल लीडरशिप इन साइंस एंड इनोवेशन फॉर विकसित भारत रहा। हैप्पी स्कूल की छात्रा अनन्या और कनिष्का कक्षा 12वीं की छात्राओं ने पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेस्ट आउट आफ द वेस्ट प्रतियोगिता में कक्षा बारहवीं के छात्र अरमान, चेतन, प्रणव, देव सैनी और सागर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में कक्षा बारहवीं की छात्रा अक्षिता ने सिल्वर मेडल जीता। इनोवेशन साइंस टेक्निक में 15 अध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में हैप्पी विद्यालय के जीव विज्ञान के अध्यापक प्रशांत कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पुस्तके भेंट की गई। विद्यालय संयोजक सुधीर शर्मा, प्रशांत कुमार, दीपक शर्मा, दिनेश यादव, नेहा बंसल, मुस्कान अग्रवाल और अंशु शर्मा उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों की उनके अंदर छिपी प्रतिभा सामने आती है तथा उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने बताया कि हम लंबे समय तक एक ही जगह पर स्थाई नहीं रह सकते और प्रतिस्पर्धा ही हमें बढ़ने में मदद करती है। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल और उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल ने बताया कि इन विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर छात्रों का चहुंमुखी विकास होता है। हमारा विद्यालय छात्रों के सर्वांगीण विकास पर बल देता है।

शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज में दो दिवसीय एथलीट मीट संपन्न

विपिन बने बेस्ट एथलीट व छात्राओं में निकिता कुमारी रही सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

- विजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार किए वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

शहीद मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज में आयोजित 28वीं एथलीट मीट का समापन समारोह प्राचार्य डा. अनिल यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें रिटायर्ड प्राचार्य डा. राष्ट्रपाल मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को खेल प्रतिभा में निखार लाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेलों में किसी भी टीम की हार या जीत नहीं होती। जिसका भी प्रदर्शन श्रेष्ठ रहता है, उसी टीम को सफलता मिलना संभव होता है। इसलिए विद्यार्थियों को हार से चिंतित होने की जरूरत नहीं, बल्कि चिंतन करें।

उन्होंने कहा कि खेल के दौरान उजागर हुई कमजोर कड़ी पर विचार करें और समाधान के लिए निरंतर अभ्यास करते रहें, क्योंकि खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होने के साथ रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होते हैं। सरकार ने नौकरियों में खिलाड़ियों के लिए विशेष कोटे का प्रावधान किया है। जिसके तहत मेडल जीतने वाली प्रतिभाओं को नौकरी दिया जाता है। इससे पहले खेल कमेटी ने पांच हजार मीटर, लड़कियों की 100 मीटर व लड़कों की 100 मीटर दौड़ कराई गई। लड़कों की 500 मीटर की दौड़ में प्रदीप कुमार को पहला, अनिल कुमार को दूसरा तथा अंकित कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया।

नांगल चौधरी। बेस्ट एथलीट छात्रा को पुरस्कृत करते रिटायर्ड प्राचार्य डा. राष्ट्रपाल व डा. अनिल यादव। फोटो : हरिभूमि

यह बोले प्राचार्य

प्राचार्य डा. अनिल यादव ने बताया कि लड़कों की प्रतियोगिता में विपिन कुमार ने सर्वाधिक अंक अर्जित किए, जिसे बेस्ट एथलीट खिताब से सम्मानित किया। वहीं लड़कियों में निकिता कुमार ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके बेस्ट एथलीट पुरस्कार हासिल किया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे विजेताओं को क्रमशः 500, 300 व 200 नकद पुरस्कार राशि दी गई।

महेंद्रगढ़। विजेता छात्रों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राव जयराम डिग्री कॉलेज के छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि

महेंद्रगढ़। राव जयराम डिग्री कॉलेज के छात्रों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आइडियाज आफ इनोवेशन विषय पर पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में कॉलेज के प्रतिभाशाली छात्र महेश कुमार, कीर्ति कुमारी और खुशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, छात्रों ने क्विज, भाषण, पेंटिंग और नवाचार के विचारों से संबंधित अन्य प्रतियोगिता में भी भाग लिया। कॉलेज चेयरमैन डॉ. हरिसिंह यादव, निदेशक सुरेंद्र यादव, कॉलेज प्रबंधक रामरख यादव ने छात्रों का स्वागत और अभिनंदन किया। विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्र शामिल हुए थे। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना था। इस प्रतियोगिता में छात्रों को अपनी रचनात्मकता और नवीन विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर मिला। चेयरमैन डॉ. हरिसिंह यादव ने कहा कि हमारे छात्रों ने जिस तरह से विश्वविद्यालय में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वह पूरे कॉलेज के लिए गर्व की बात है। यह उनकी मेहनत, लगन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। निदेशक सुरेंद्र यादव ने कहा कि हमारे छात्र केवल अकादमिक रूप से ही नहीं, बल्कि नवाचार और सह-शैक्षिक गतिविधियों में भी अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं। हमें गर्व है कि हमारे छात्र राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में कॉलेज का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रबंधक रामरख यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होती हैं। पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में भाग लेने वाले महेश कुमार, कीर्ति कुमारी और खुशी ने कहा कि यह अनुभव उनके लिए अत्यंत सीखने वाला रहा।

खबर संक्षेप

रोडवेज की टक्कर से युवक की मौत

मंडी अटेली। नारनौल रेवाड़ी मार्ग पर फतेहपुर पेट्रोल पंप के पास दोपहर बाद रोडवेज की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। युवक फोटोग्राफी का कार्य करता था। नारनौल शहर के शिवाजी नगर निवासी 26 वर्षीय सन्नी बाइक से बुकिंग के लिए अटेली की तरफ आ रहा था। फतेहपुर पेट्रोल पंप के पास बस ने उसे टक्कर मार दी।

रेलवे के काम लगे श्रमिक को लगा करंट

मंडी अटेली। नारनौल रेवाड़ी रेल मार्ग के दोहरीकरण के काम करने वाला श्रमिक करंट से घायल हो गया। जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। यूपी के प्रयागराज निवासी एक फीटर कर्मी नारनौल रेवाड़ी रेल मार्ग के दोहरीकरण काम के दौरान पोल पर काम कर रहा था। पास गुजर रही दूसरी लाइन के 25 हजार वॉल्ट की लाइन से आए हवाई करंट की चपेट में आ गया।

छाजियावास में श्री श्याम की मूर्ति स्थापना 10 को

महेंद्रगढ़। गांव छाजियावास की ओर से बाबा श्री श्याम का जागरण व भंडारा आयोजित किया जाएगा। मंदिर कमेटी के प्रधान पूर्व सरपंच महेश कुमार, सरपंच कृपा बाई, रण सिंह, सुंदर सिंह, रामकिशन ने बताया कि नौ मार्च रात्रि को जागरण किया जाएगा। जागरण में गायक कलाकार विजय राजपूत, सुनील राजस्थानी द्वारा श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। महेश कुमार ने बताया कि 10 मार्च को सुबह आठ बजे गांव की फिरनियों से झांकी निकाली जाएगी। उसके उपरांत सुबह 10 बजे मूर्ति स्थापना की जाएगी। सुबह 11 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मुख्यातिथि जिला परिषद सदस्य प्रधान देवेंद्र यादव रहेंगे। उन्होंने लोगो से आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म-लाभ उठाए।

पूर्व मंत्री ने ओलावृष्टि पर चिंता की जाहिर

महेंद्रगढ़। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव निंबी बलायचा सहित अनेक गांवों में

शुक्रवार शाम को हुई ओलावृष्टि पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बात करेंगे एवं क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि के नुकसान की गिरदावरी कराकर उन्हें 2015 की तरह मुआवजा दिलवाने का कार्य करेंगे। महेंद्रगढ़ क्षेत्र के किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

नुकसान की भरपाई करें प्रदेश सरकार: महेंद्र राता

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में ओलावृष्टि होने से किसानों की

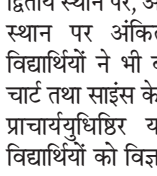

फसल बर्बाद हो गई। जिसको लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने बताया कि अटेली क्षेत्र में भारी ओलावृष्टि से खराब हुई फसल की भरपाई प्रदेश सरकार तुरंत करें। ओलावृष्टि से किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार तुरंत गिरदावरी करा मुआवजा दें।

मार्च माह में आज से 13 दिन बंद रहेंगे बैंक, 31 मार्च पर भी सस्पेंस

- आरबीआई हॉलिडे कैलेंडर के तहत 31 मार्च को बैंक क्लोजिंग का दिन, इसी दिन ईद भी है
- प्रदेश में आठ दिन बंद रहेंगे बैंक, एक दिन पर सस्पेंस

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

रिजर्व बैंक की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार मार्च महीने में देश भर में राज्य व शहरों में बैंक 13 या 14 दिन बंद रहेंगे। ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए यह जानकारी बहुत जरूरी है कि मार्च महीने में किस किस दिन बैंक बंद रहने वाले है, ताकि बैंक उपभोक्ताओं की किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बता दें कि कैलेंडर के अनुसार क्षेत्रीय त्योहारों व उत्सवों के कारण, अलग-अलग शहरों में बैंक अलग-अलग तारीखों पर बंद रहते है। यह नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के अनुसार होता है। प्रत्येक महीने के सभी रविवार व दूसरे तथा चौथे शनिवार को देशभर में बैंक बंद रहते हैं। इस दौरान बैंकों में कोई भी कामकाज नहीं होता। मार्च महीने में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 या 13 दिन बैंक बंद रहेंगे। जिसमें पांच रविवार व दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा सात दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा, क्योंकि इस महीने 14 मार्च को होली व 31 मार्च को ईद-उल-फितर जैसे बड़े त्योहार है। हालांकि ईद-उल-फितर त्योहार के दिन बैंकों का अवकाश रहता है, लेकिन इस बार यह त्योहार 31 मार्च को है और इसी दिन बैंकों का क्लोजिंग दिन होता है। ऐसे में 31 मार्च के अवकाश को लेकर अभी सस्पेंस बना हुआ है, कि इसी दिन बैंक बंद रहेंगे या फिर ओपन रहेंगे।

शेयर बाजार में 12 दिन नहीं होगा कारोबार

मार्च महीने में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें पांच शनिवार व पांच रविवार होने के कारण 10 दिन को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 14 मार्च को होली व 31 मार्च को ईद-उल-फितर पर भी बंद रहेगा।

राजपत्रित व सरकारी अवकाश शामिल

दरअसल देश में बैंक की छुट्टियों में राष्ट्रीय अवकाश (राजपत्रित अवकाश) व सरकारी अवकाश (राज्य व केंद्र दोनों) शामिल हैं। जिसमें प्रदेश सरकार की बैंक छुट्टियां अलग अलग राज्यों में अलग-अलग होती हैं, जबकि केंद्र सरकार की बैंक छुट्टियां पूरे देश में एक जैसी होती हैं। हर महीने दूसरे व चौथे शनिवार को भी बैंक बंद रहते हैं। क्षेत्रीय छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र से संबंधित होती हैं। एक राज्य में किसी दिन बैंक अवकाश होने का मतलब यह नहीं है कि अन्य प्रदेश में भी छुट्टी होगी।

करें ऑनलाइन बैंकिंग का करें इस्तेमाल

बैंक बंद होने की स्थिति में किसी भी प्रकार के ट्रांजेक्शन के लिए ऑनलाइन बैंकिंग का इस्तेमाल करें। अगर पैसे निकालने हैं, तो एटीएम से निकाल सकते हैं। पैसे ट्रांसफर करने के लिए इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं ट्रांजेक्शन के लिए यूपीआई का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यूपीआई सर्विस पर छुट्टी के दिन कोई असर नहीं रहता। इसके अलावा आप मोबाइल बैंकिंग का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

जाने मार्च माह में किस दिन बंद रहेंगे बैंक

दो मार्च रविवार, आठ मार्च दूसरा शनिवार, नौ मार्च को रविवार, 14 मार्च होली अवकाश, 16 मार्च रविवार, 22 मार्च चौथा शनिवार, 23 मार्च रविवार, 30 मार्च रविवार, 31 मार्च को अवकाश रहेगा या नहीं?। यहां पर बता दें अगर 31 मार्च को बैंक खुले रहे तो, एक अप्रैल को सभी बैंक बंद रहेंगे।

पुलिस का जागरूक करना भी नहीं आ रहा काम

जिले में ऑनलाइन ठगी के रोजाना दर्ज हो रहे केस

पुलिस नियमित कर रही सतर्क, फिर भी लालच में आ ठगा जा रहा इंसान

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए पुलिस महकमा जोरों से प्रचार प्रसार कर रहा है। स्कूल हो या सामाजिक कार्यक्रम। हर जगह पुलिस अधिकारी जाकर इस ठगी में होने वाले तरीकों के बारे में बताते हुए बचने का आग्रह कर रहे है। इसके बावजूद कुछ लोग लालच तो कुछ भोले भाले होने का नुकसान पैसा गंवाकर उठा रहे है। जिले में एक दिन में कई एफआईआर दर्ज हुई है।

केस एक: स्टॉक मार्केट व बैंक निफ्टी का नाम लेकर 13.60 लाख की ठगी

गांव खातोद वासी नितिन ने साइबर क्राइम थाना में दी शिकायत में बताया है कि 20 नवंबर 2024 को व्हाट्सएप पर मैसेज आया, जिसमें घर पर बैठकर रुपये कमाने की स्कीम के बारे में बताया गया। वह अच्छी लगी और उसके बाद स्टॉक मार्केट व बैंक निफ्टी के बारे में बताया। इसके बाद उसे ग्रुप एप पर ट्रेड करने के लिए बोला। जब उनके बताए अनुसार 20 हजार का प्रोफिट हुआ। उसके बाद उसने ऑफलाइन ट्रेडिंग करने के लिए एक मोबाइल नंबर दिया। जब इस पर कॉल की तो सामने वाले ने अपना नाम जगदीश बताया और एक जनक नाम के ब्रोकर का नंबर दिया। इस पर 18 दिसम्बर 2024 को व्हाट्सएप पर बात की तो उन्होंने इंवेस्टमेंट करने के लिए बैंक खाता दिया। जिस पर उनके बताए अनुसार सात हजार रुपये कर दिए। जिसका उन्होंने 3650 रुपये का प्रोफिट बैंक खाता में भेज दिया। उसके बाद मॉर्जन के नाम से 1.97 लाख ले लिए और व्हाट्सएप पर स्टॉक मार्केट में दोबारा रुपये लगाने की बात हुई। जिसने अपने सीनिसर मानव राजपूत का नंबर दिया। जिनके साथ फोन पर अक्सर बातचीत होती रहती थी। उसने एक ओर ब्रोकर देवराज का नंबर दिया। मानव राजपूत स्टॉक की टिप भेजता था। उसको देवराज के पास भेज देता था। उन्होंने शुरूआत में 12 लाख का प्रोफिट दिखाया। इसके लिए देवराज को 50 हजार रुपये भेजे थे। फिर उन्होंने एक ट्रेड में घाटा होना बताया और पोजिशन को कैरी फॉरवर्ड करने को कहा। कैरी फॉरवर्ड के नाम पर मॉर्जन के 3.60 लाख रुपये मांगे। फिर एक ओर ट्रेड के कैरी फॉरवर्ड के नाम पर मॉर्जन के 1.40 लाख रुपये मांगे। यह रकम बैंक खाता पर ट्रांसफर कर दिए। इस प्रकार पोजिशन का मॉर्जन 5.50 लाख इसी अकाउंट में और ट्रांसफर कर दिए। इस प्रकार 13 लाख 60 लाख ऑनलाइन ठगी की है। पुलिस ने इस शिकायत पर बीएनएस की धारा 318 (4) के तहत केस दर्ज किया।

केस दो: वर्क फॉर होम के नाम पर 1.43 लाख की ठगी

साइबर क्राइम थाना में दी शिकायत में महेंद्रगढ़ के मौहल्ला मायचान वासी राहुल कुमार ने बताया है कि चार अगस्त 2024 को वर्क फॉर होम के नाम से टेलीग्राम पर आनलाइन जॉब के लिए रशमी भट्ट नामजद टेलीग्राम नंबर का मैसेज आया था। उसके बाद बिजनेस के लिए एक उनके एजेंट मलिका का मैसेज आया, जिन्होंने बताया कि ऑनलाइन प्रोडेक्ट की मार्केटिंग करनी है। जिसकी नामजद टेलीग्राम आईडी है। यह कार्य करने के लिए एक ऐप पर रजिस्ट्रेशन कराया। इस ऐप के जरिए वस्तुओं की मार्किटिंग की जाती थी। इस ऐप पर काम करने के बाद उसे 800 रुपये प्राप्त हुए। उसके बाद उन्होंने ज्यादा पैसे कमाने के लिए इस ऐप में इनवेस्ट करने बारे बताया। उनके बताए अनुसार बैंक खाता से 10 हजार रुपये जमा करवाएं। जो बाद में प्रोफिट के साथ 17 हजार रुपये वापिस मिल गए। उसके बाद बताया गया कि आगे कुछ महंगे प्रोडेक्ट में इनवेस्ट करना होगा। जिसके आपको ज्यादा रुपये मिलेंगे। फिर इसी बैंक खाते में 50 हजार रुपये ओर जमा करवाएं। लेकिन 50 हजार वापिस नहीं आए। जब कस्टमर सर्विस नाम की आईडी टेलीग्राम पर बात की तो बताया सिस्टम में 50 हजार से ज्यादा रकम का प्रोडेक्ट इनवेस्टमेंट के लिए सेलेक्ट हुआ था इसलिए ट्रांसंक्सन फेल हो गई। अब आपको 93 हजार 230 रुपये प्रोडेक्ट इनवेस्टमेंट के लिए ओर भेजने होंगे। उसके बाद आपकी पूरी पेमेंट वापिस हो जाएगी। फिर उनके बताए अनुसार 50 हजार रुपये व 43.230 रुपये भेज दिए। फिर उन्होंने कहा कि आपका डिलक्स प्रोडेक्ट सेलेक्ट हो गया था इसलिए आपकी इनवेस्टमेंट नहीं हो सकी। अब आपको अगले प्रोडेक्ट के लिए एक लाख 90 हजार 339 रुपये इन्वेस्ट करने होंगे। उसके बाद पूर्ण राशि खाते में जा जाएगी। राशि जमा करवाने के लिए एक कस्टमर केयर है, जिसकी आईडी नामजद है। टेलीग्राम टास्क के बहाने नामालूम व्यक्ति ने उसके साथ एक लाख 43 हजार 230 रुपये ऑनलाइन ठगी की है। जिसके संबंध में 1930 पर कॉल करके शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी। इस संबंध में पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज किया है।

केस तीन: पैसा भेजने का फेक मैसेज भेजा, भरोसा कर गंवाए 69 हजार

अटेली मंडी में रहने वाले योगेश प्राईवेट स्कूल कुंड में कार्यरत है। दिसम्बर की छह तारीख को शाम साढ़े चार बजे उसके मोबाइल पर नामजद नंबर से कॉल आई और कहा कि लिमिट पूरी हो गई है। आप जानकार के पास पेमेंट कर दें। वह आपके पास पैसा भेज रहा है। फिर उन्होंने पहले 100 रुपये का मैसेज भेजा। फिर 10 हजार का मैसेज भेजा। उसके बाद 50 हजार रुपये का मैसेज किया। अपना बैलेंस चैक किए बिना सामने वाले की बातों पर विश्वास करके 69 हजार रुपये कुल आठ बार में भेज दिए। यह सारी पैमेंट फोन पे के माध्यम से की थी। उसके बाद उन्होंने अपना फोन बंद कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि किसी अनजान व्यक्ति ने उसके मोबाइल से कॉल करके धोखाधड़ी करके 69 हजार रुपये मंगवा लिए है, जिसका पता लगाकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। इस शिकायत पर अटेली पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(2),318(2) के तहत केस दर्ज किया है।

केस चार: टास्क के झांसे में आकर गंवाई मोटी रकम

गांव बलाहा कलां वासी अमित कुमार ने साइबर क्राइम थाना में दी शिकायत में बताया है कि 29 दिसम्बर 2024 को व्हाट्सएप पर नामजद नंबर से मैसेज आया। जिसने अपना नाम अनवी पटेल बताया। जिसने घर पर बैठकर रुपये कमाने की स्कीम के बारे में बताया। स्कीम अच्छी लगी और दो लिंक भेजे। उसने कहा कि आप इन लिंक को खोलकर स्क्रीन शाट लेकर नामजद टेलीग्राम आईडी पर भेजने को कहा। जिसके बदले में 200 रुपये देने की बात कही। वैसा ही किया तो 200 रुपये रिसीव हो गए। उसके बाद उन्होंने नामजद टेलीग्राम ग्रुप ज्वाइन करवाया। जिसमें रोजाना अलग अलग टास्क करने होते थे। पहला दूसरा टास्क पहले की तरह स्क्रीनशार्ट भेजने का था। तीसरे टास्क में 1000 रुपये इन्वेस्ट करवाए और 1300 रुपये वापस कर दिए। उसके बाद चार, पांच, छह टास्क स्क्रीनशार्ट भेजने का था, उसके बाद सातवें टास्क में 5000 रुपये इनवेस्ट करने को कहा। जिसमें 6700 रुपये वापस कर दिए। फिर 11वें टास्क में 3000 रुपये इनवेस्ट करवाएं। उसके बाद 3000 रुपये निकलवाने के लिए 17 हजार ओर भरने को कहा। ऐसे करके उन्होंने 87 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। फिर 87 हजार वापिस करने के लिए 32 हजार का टैक्स देने को कहा।

केस पांच: फेक स्क्रीनशॉट भेज ठगे 20 हजार

गांव भुंगारका में राशन डिपो चलाने वाले अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि सात जनवरी को नामजद मोबाइल नंबर से कॉल आई और कहा कि आपके अकाउंट में गलती से 20 हजार रुपये डल गए है। स्क्रीनशॉट भेजा है। यह पैसा वापिस कर दो। फोन चैक किया तो एक स्क्रीनशॉट फोटो में पत्नी सुषमा के अकाउंट में 20 हजार की ट्रांसजेक्शन दिखा रखी थी। तभी एक मैसेज फोन पर 20 हजार पत्नी के अकाउंट में डालने बारे आया। उपरोक्त व्यक्ति के कहने पर एक फोन नंबर पर फोन पे के माध्यम से 10 हजार दो बार करके 20 हजार भेज दिए। अब पता चला है कि वह फेक मैसेज व फेक स्क्रीनशॉट थे।

केस छह: दो फेक मैसेज भेज 90 हजार की ठगी

निजामपुर के दिलबाग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि उसके पास 17 जनवरी को नामजद नंबर से कॉल आई। वह जानकार होने बारे बोल रहा था। आवाज भी जानी पहचानी लग रही थी। फिर उसने कहा कि माता जी अस्पताल में भर्ती है। वह वहीं पर है और एक ट्रांजेक्शन करवानी है। उसके बाद उसने 50 हजार व 40 हजार के फेक मैसेज भेजते हुए कहा कि इस मोबाइल नंबर पर यह रुपये भेज दो। उसके बाद 90 हजार रुपये उस नंबर पर ट्रांसफर कर दिए। बाद में पता चला कि यह मैसेज फेक थे और उसके साथ फ्रॉड कर 90 हजार की ठगी की है।

केस सात: खासपुर महिला से जानकार बन ठगे 32 हजार

गांव खासपुर वासी महिला पवन कुमारी ने फैजाबाद पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया है कि 18 जनवरी को नामजद नंबर से उसके मोबाइल पर कॉल आई और कहा कि वह भीमसेन बोल रहा है। खाते में फोन से पैसे डाल दिए है। मैसेज चेक करो। शिकायतकर्ता ने बताया कि बीमार होने के कारण उसकी आवाज नहीं पहचान सकी। अपना फोन चेक किया तो उसमें 30 हजार रुपये आने का मैसेज आया हुआ था। फिर कॉल करने वाले ने कहा कि जैसे जैसे वह कहता है, वैसा करते रहो फिर मोबाइल पर ओटीपी भेजा। ओके करके उसके कहने पर अपना फोन नंबर डाल दिए। फिर बातों में उलझा कर 84 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। इसकी शिकायत साइबर पोर्टल पर दर्ज करवाई थी।

साइबर फ्रॉड के दो और आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। टेलीग्राम टास्क फ्रॉड के मामले में पुलिस ने आनंद सिंह वासी गिडानिया थाना चिड़ावा जिला झुंझुनूं राजस्थान व अमित वासी नंदी रोड श्याम नगर जोधपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। चिड़ावा से गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय से पुलिस रिमांड पर लिया। आरोपितों से एक गाड़ी, एक लाख रुपये, सिम कार्ड के साथ 10 मोबाइल, 15 एटीएम कार्ड, पांच सिम कार्ड, एक चेक, एक डिपॉजिट रसीद बरामद की है। साइबर थाना पुलिस ने तीन आरोपित महेश कुमार वासी वार्ड नंबर सात नेहरू मोहल्ला रामगढ़ थाना सीकर राजस्थान, पवन कुमार वासी वार्ड नंबर 20 चुरू रोड रामगढ़ थाना सीकर राजस्थान व नरेंद्र वासी नांगली फतेहपुर जिला सीकर राजस्थान को पहले गिरफ्तार कर चुकी है।

हैकर्स ने झांसे में देकर 30 हजार ठगे

कनीना। हैकर्स ने मुंडियाखेड़ा के एक व्यक्ति को झांसे में देकर 30 हजार रुपये की ठगी कर ली। इस बारे में पीड़ित धर्मबीर सिंह ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी का खाता एसएचजी बैंक में है, जो उनके माबाइल फोन से लिंक है। उसके मोबाइल फोन पर विकास नामक व्यक्ति ने बात की और कहा कि आपके पास 45 हजार रुपये गलती से डाल दिए गए हैं। इस बात को सही मानकार मोबाइल फोन की जांच करने लगा तो फोन हैक हो गया तथा पहली बार 25 हजार व दूसरी बार पांच हजार रुपये कट गए। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बेटियों को शिक्षित बनाने का दिया संदेश

- आयकर विभाग की रिटायर्ड डीजी सुनीता बैंसला ने महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। आयकर विभाग की रिटायर्ड डीजी सुनीता बैंसला का अभिनंदन करती महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

आयकर विभाग की रिटायर्ड महानिदेशक सुनीता बैंसला थनवास गांव में पहुंची। यहां बेटियों को लक्ष्य निर्धारित करके पढ़ाई करने के टिप्स दिए। तदोपरांत गोठड़ी व गुर्जर भवन नांगल चौधरी में पहुंचकर समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों के खात्मे पर विचार विमर्श किया। इसके लिए गांव वाइज युवाओं की कमेटी बनाने के दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेटियां ही समाज का दर्पण होती हैं। इसलिए बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनना जरूरी है। विभिन्न सामाजिक संगठनों को बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

जिससे संगीन अपराधों पर अंकुश लगने के साथ कुरीतियों को मिटाने में सफलता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि मेरे पिता कर्नल किरोड़ीमल बैसला की ओर से रचित हिम्मत मेहनत और नियतष्नामक पुस्तक में शिक्षा व संस्कारों का उल्लेख किया गया है। पुस्तक में 85 सूक्तियां हैं जिनमें राष्ट्र व सामाजिक एकता के भावों को समावेशित किया गया है। गुर्जर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतराम तंवर ने कहा कि रिटायर्ड आयकर महानिदेशक सुनीता बैंसला की उपलब्धि से समाज की बेटियों को लक्ष्य निर्धारित करके पढ़ाई करने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर कैलाशचंद, महाराम, अमर सिंह, हजारीलाल रावत की स्मृति में गुर्जर धर्मशाला कमेटी को आर्थिक चंदा दिया। कार्यक्रम में विधायक मंजू चौधरी, पूर्व मंत्री अभय सिंह यादव, राजस्थान के पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, प्रवीण चेयरमैन, सुंदर चौधरी, प्रोफेसर रामनिवास चंदेला, प्राचार्य रघुबीर पटेल, शीशराम मास्टर, अमीलाल मास्टर, रामकुमार मुनीम, सेवाराम सरपंच, विक्रम मास्टर, बसंतलाल, सतीश प्रधान, हंसराज, रविदत्त, विक्रम सिंह, विक्रम जागेदार इत्यादि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में दिखाया कौशल

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में यदुवंशी के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक क्षमता और त्वरित सोच का प्रदर्शन किया, जिसमें विज्ञान स्पर्धा में भारती पुत्री अशोक कुमार व अंजलि पुत्री सुनील कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पेंटिंग प्रतियोगिता में वीनू पुत्री योगेंद्रपाल ने तृतीय व दिव्यांशी पुत्री विकास कुमार व प्रियांशी पुत्री सुधीर कुमार को सांत्वना पुरस्कार मिला। टीम की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्राचार्य पवन कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दो जिलों की टीमों ने भाग लिया था। इसमें पहले टीमों की लिखित परीक्षा आयोजित की गई। जिसके आधार पर छह टीमों का चयन किया गया। इन टीमों के बीच मौखिक क्विज करवाई गई। प्रश्नकाल में फिजिक्स, कैमिस्ट्री, बायोलॉजी तथा मैथमेटिक्स आधारित प्रश्न पूछे गए तथा दूसरे विजुअल राउंड विज्ञान आधारित चित्र पर प्रश्न पूछे गए। तीसरा राउंड रैपिड फायर रहा। जिसमें मानसिक तीव्रता का आंकलन किया गया। अंतिम और चौथा राउंड बजर राउंड रहा। इन सभी राउंड के अंत में यदुवंशी के विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान हासिल किया। पेंटिंग में विज्ञान संबंधी कलाकृति बनाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता से विद्यार्थियों की विषय के प्रति रूचि बढ़ती है,उनकी मानसिक क्षमता का व अधिक विकास होता है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव व फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र सिंह ने विजेता सम्मानित किए।

कन्या स्कूल में मनाया विज्ञान दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। बनाए हुए चार्ट दिखाते विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुलोठ अहीर में प्राचार्य युधिष्ठिर यादव के मार्गदर्शन में अपेक्षा शर्मा विज्ञान अध्यापिका के नेतृत्व में विज्ञान दिवस मनाया गया। जिसमें बच्चों ने साइंस के विभिन्न प्रोजेक्ट्स तथा चार्ट व पोस्टर बनाए। कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर चंचल व आचुकी का प्रोजेक्ट द्वितीय स्थान पर, अर्चना तथा तृतीय स्थान पर अंकिता रही। अन्य विद्यार्थियों ने भी बहुत सुंदर-सुंदर चार्ट तथा साइंस के प्रोजेक्ट बनाएं। प्राचार्ययुधिष्ठिर यादव ने सभी विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए प्रेरित किया तथा प्रतिभागी विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरित करके प्रोत्साहित किया। प्राचार्य ने अपेक्षा शर्मा विज्ञान अध्यापिका को विज्ञान दिवस को रुचिपूर्वक तथा सफलतापूर्वक मनाने के लिए बधाई दी। प्रवक्ता नगमेंदर यादव, ललिता देवी, गरिमा शर्मा, प्रताप शास्त्री, अशोक कुमार पीटीआई मौजूद रहे।

अवैध खनन व खनिज परिवहन पर प्रशासन कर रहा प्रभावी कार्रवाई

ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा, 2.15 लाख जुर्माना

- बिना ई रवाना रोड़ी ले जा रहे ट्रैक्टर ट्राली, एसपी ने जारी किया चेक पोस्ट का शेड्यूल

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

नारनौल। रोड़ी का अवैध परिवहन करते पकड़ी गई ट्रैक्टर ट्रॉली।

अवैध खनन 8 खनिज परिवहन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। शनिवार सुबह प्रशासन की ओर से गठित संयुक्त टीम ने नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव दताल के पास एक ट्रैक्टर ट्रॉली को बिना ई रवाना रोड़ी ले जाते पकड़ा। इस पर लगभग 2.15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जानकारी देते हुए जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि खनन विभाग, पुलिस विभाग, फॉरेस्ट विभाग तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संयुक्त टीम शनिवार को नांगल चौधरी क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान नांगल चौधरी से बहरोड़ रोड पर एक ट्रैक्टर ट्रॉली राजस्थान की तरफ जा रहा था। उन्होंने बताया कि टीम ने इसे मौके पर ही पकड़कर कागजात चेक किया। इस दौरान पता चला कि यह बिना ई रवाना के ही रोड़ी का परिवहन कर रहा था। इस पर टीम ने कार्रवाई करते हुए इसे बाड़े में खड़ा करवारकर 2.15 लाख रुपये की जुर्माना कार्रवाई शुरू कर दी है। टीम लगातार जिला के विभिन्न क्षेत्रों में दिन रात गश्त कर रही है। अवैध खनन अथवा खनिज के अवैध परिवहन के मामलों पर टीम लगातार प्रभावी तरीके से कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि खनन विभाग के महानिदेशक केएम पाण्डुरंग के दिशानिर्देशन में अवैध खनन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस कर्मियों की शिफ्ट में लगी ड्यूटी

उन्होंने बताया कि खुद उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक भी लगातार इन मामलों पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस अधीक्षक की ओर से चेक पोस्ट पर कर्मचारियों की अलग अलग शिफ्ट में ड्यूटी तय कर दी गई है। पुलिस विभाग की ओर से जारी पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी का नया शेड्यूल मिल गया है।

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी

डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओर्जेपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल

मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदना ओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकियत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी

संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैया: दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव / समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंग: हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपना: फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगा: जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारे: अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / कीर्तिशेखर

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसी: डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंच: अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटी: अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधा: अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुल: अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तो: अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

सिने-ट्रेंड / हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

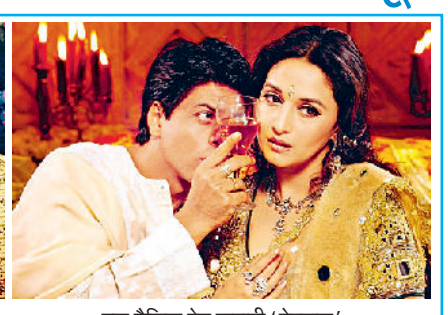

एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेम: शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्त: हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', ' सि ल सि ला ', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीज: समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसास: फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'

इसलिए ही होती है। लेकिन लगता है अब धीरे-धीरे ये फार्मूला भी दरकने लगा। क्योंकि, नई पीढ़ी को ऐसी प्रेम कथाएं रास नहीं आती।

बदल रहे फिल्मों के विषय: लव स्टोरी बेस्ड फिल्मों के शानदार अतीत के बावजूद बीते कुछ सालों में आई कई फिल्मों के कथानकों में प्रेम नदारद था या न के बराबर था।